शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 46 | गुवाहाटी | गुरुवार, 12 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हरित हाइड्रोजन भंडारण समाधान, उद्योग चुनौतियों के समाधान... पेज 2
ऑन लाइन ट्रेडिंग घोटाले का अप्रत्यक्ष रूप से गुजरात कनेक्शन : देवब्रत सैकिया पेज 3
2017 के पहले नहीं आता था निवेश, आज निवेश के ढेर लगे हैं : योगी आदित्यनाथ पेज 5
पेरिस पैरालिंपिक के बाद दुनिया ने मान लिया कि भारत स्पोर्टिंग कंट्री बन गया पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

निंदा से घबराकर अपने लक्ष्य को न छोड़ना क्योंकि लक्ष्य प्राप्त होते ही निंदा करने वालो की राय बदल जाती है!

– आचार्य चाणक्य

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के *एक्सपोनेंशियल ग्रोथ* के लिए *मोदी लॉ* पर फोकस करे दुनिया : ग्लोबल लीडर्स

सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत की मजबूत उपस्थिति को बताया बदलते विश्व की जरूरत

ग्रेटर नोएडा (हिंस)। भारत अब दुनिया में केवल ग्लोबल लीडर ही नहीं, बल्कि मार्केट की सबसे प्रमुख जरूरत यानी सप्लाई चेन की दिशा में भी दिग्गज बनने की ओर तेजी से बढ़ चला है। आज पूरी दुनिया भारत को न केवल सेमीकंडक्टर विनिर्माण के क्षेत्र में अग्रणी बनते देखना चाहती है बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन में उसकी प्रमुख भूमिका को लेकर न केवल आश्वस्त है बल्कि इसके लिए सभी तरह के समन्वय के लिए भी प्रतिबद्ध है। बुधवार को ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में आयोजित सेमीकॉन इंडिया 2024 में शिरकत करते हुए सेमीकंडक्टर सेक्टर के ग्लोबल लीडर्स ने इन्हीं विषयों पर सबसे ज्यादा फोकस किया। साथ ही, पूरी दुनिया को ग्रोथ के लिए *मोदी लॉ* पर फोकस करने की नसीहत दी। ये मोदी लॉ दरअसल पीएम मोदी की नीतियां हैं जो किसी भी इंडस्ट्री के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में एक्सपोनेंशियल ग्रोथ के अवसर हैं और पीएम मोदी का विजन इस पर ही सबसे ज्यादा फोकस करता है। इसी बात को ग्लोबल लीडर्स ने सबसे ज्यादा सराहा और प्राथमिकता दी। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में ग्लोबल कोलैबोरेशन की दिशा में काम करनेग्लोबल एसोसिएशन सेमी के प्रेसिडेंट व सीईओ अजीत मनोचा ने कहा कि यह अकल्पनीय होने के साथ अद्भुत है। सेमीकॉन कई देशों में आयोजित हो चुके हैं मगर भारत में यह पहला संस्करण है और अन्य देशों की तुलना में यह चार से पांच गुना ज्यादा बड़ा आयोजन है। यह भारत की अनप्रेसिडेंटेड कैपेबिलिटीज को दर्शाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी सीईओ व बिजनेस लीडर्स इस बात पर सहमत हैं कि भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण व सप्लाई चेन को बढ़ावा मिलना चाहिए। यह भारत की लीडरशिप और विजन के कारण हो सका, जिसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। हमें मोदी लॉ की बात करनी होगी। मोदी लॉ एक्सपोनेंशियल ग्रोथ पर फोकस करता है। हमें इस विजन को सच बनाना होगा क्योंकि यह न केवल भारत, न केवल विश्व बल्कि पूरी मानवता की उन्नति का मार्ग है। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में होने वाली उपलब्धि पूरे इंडस्ट्री सेक्टर में उपलब्धियों के द्वार खोलने का आधार बनती हैं। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ डॉ. रणधीर ठाकुर ने कहा कि पीएम मोदी ने देश के पहले कॉमर्शियल फैब का धोलेरा गुजरात व देश की पहली इंडीजीनियस ओसीइएट इंडस्ट्री का जागीरोड़ असम में फाउंडेशन स्टोन रखा। यह दोनों प्रोजेक्ट भारत सरकार से रिकॉर्ड समय के अंदर स्वीकृत हुए जिसने एक बेंचमार्क स्थापित किया है। यह भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत संभव हुआ। चिप कंडक्टर के निर्माण से हजारों सोफेस्टिकेटेड सेमीकंडक्टर पार्टनर्स की जरूरत होती है जो टीम की तरह काम करते हैं। कुल 11 महत्वपूर्ण घटकों के जरिए चिप निर्माण पूरा होता है जिसमें डिजाइन, सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर्स व लॉजिस्टिक्स महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत सरकार की पहल से ये सभी जरूरी 11 इकोसिस्टम के प्रतिनिधि कार्यक्रम में सम्मिलित हैं जो एक बड़ी उपलब्धि है। हम सभी पार्टनर्स के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें साथ मिलकर टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम की तरह मिलकर कार्य करना होगा। यह पीएम मोदी के ग्लोबल रीच, विजन व सेमीकंडक्टर मिशन के कारण ही संभव हो पाया है। टाटा ही देश में स्टील इंडस्ट्री लेकर आई थी और अब हम देश में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। इस प्रक्रिया से हम पचास हजार रोजगार उपलब्ध कराने में सक्षम हो सकेंगे। प्रत्येक सेमीकंडक्टर रिलेटेड जॉब अपने साथ 10 अन्य रोजगार के अवसरों का माध्यम भी बनेगा। यही समय है सही समय है, भारत का अनमोल समय है। एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर व सीईओ कर्ट सीवर्स ने कहा कि एंबीशन,ट्रस्ट व कोलैबोरेशन वह तीन एट्रीब्यूट्स हैं जिनके जरिए सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में सफलता का मार्ग सुनिश्चित होता है। ये स्प्रिंट नहीं, मैराथन है। पचास सालों से हमारी भारत में उपस्थिति है और पिछले कुछ वर्षों में हुआ बदलाव अकल्पनीय है। यह भारत को इकॉनमी के लिहाज से बहुत समृद्ध व ताकतवर बना रहा है। इनोवेशन, डेमोक्रेसी और ट्रस्ट वह मैजिक मंत्र है जिस पर चलकर देश के उद्योग प्रगति करते हैं। हम भारत में हैं, भारत के साथ हैं और प्रतिबद्ध हैं। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ऑटोमोटिव सेमीकंडक्टर कंपनी व विश्व की सबसे बड़ी माइक्रोकंट्रोलर सप्लायर के रूप में प्रसिद्ध रेनेसॉ इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन के प्रेसीडेंट व सीईओ हितोशी शिबाता ने कहा कि रेनेसा इलेक्ट्रॉनिक्स जापान, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इंबेडेड सेमीकंडक्टर सॉल्यूशंस प्रोवाइडर हैं। हमें भारत में पहला प्लांट लगाने में सफलता मिली है। हम बेंगलुरू, दिल्ली, नोएडा व हैदराबाद में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। दुनिया का पहला 300 मिलीमीटर कॉमर्शियल सेमीकंडक्टर पाथ हमने ही बनाया था। हमें सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी की जटिलताओं की अच्छे से जानकारी है। हम भारत के इस सपने को साकार करने में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और मोदी लॉ को वास्तविकता बनाने पर कार्य करेंगे। सेमीकंडक्टर्स के क्षेत्र में दुनिया के सबसे बड़े रिसर्च एंड डेवलपमेंट हब के तौर पर प्रसिद्ध -शेष पृष्ठ दो पर

भारत और फिलीपींस ने एक-दूसरे को रक्षा सहयोग के लिए आमंत्रित किया

नई दिल्ली (हिंस)। भारत और फिलीपींस ने संयुक्त रक्षा सहयोग समिति (जेडीसीसी) की पांचवीं बैठक में रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हासिल करने के लिए एक-दूसरे का समर्थन करने पर सहमति जताई। मनीला में बुधवार को रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने फिलीपींस को भारतीय रक्षा उद्योग के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया। बैठक की सह अध्यक्षता उनके समकक्ष फिलीपींस के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अवर सचिव इरिनियो क्रूज एस्पिनो ने की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। रक्षा सचिव अरमाने ने फिलीपींस सरकार के सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए आत्मनिर्भर रक्षा मुद्रा अधिनियम को सराहा। उन्होंने कहा कि भारत ने भी *आत्मनिर्भर भारत* के लिए इसी तरह का दृष्टिकोण रखा है। इस दृष्टिकोण के तहत भारतीय रक्षा उद्योग लगातार अपनी विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाकर दुनिया को उपकरण निर्यात कर रहा है। उन्होंने व्हाइट शिपिंग सूचना एक्सचेंज के संचालन और निकट भविष्य में मनीला में भारतीय दूतावास में रक्षा विंग खोलने की सराहना की। रक्षा सचिव ने फिलीपींस को भारतीय रक्षा उद्योग के साथ उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन में भागीदारी करने के लिए आमंत्रित किया। इस पर फिलीपींस ने भी सुनिश्चित आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने के लिए दीर्घकालिक इक्विटी साझेदारी में निवेश के लिए भारत को आमंत्रित किया। फिलीपींस ने रक्षा उद्योग के स्वदेशीकरण के लिए भारत की कार्यप्रणाली को स्वीकार किया और उसकी सराहना की। दोनों पक्षों ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हासिल करने के लिए एक-दूसरे का समर्थन करने पर सहमति जताई। आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में फिलीपींस का स्वागत करते हुए रक्षा सचिव ने -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

सड़क हादसे में सात कृषि मजदूरों की मौत

एलुरु (हिंस)। आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में मंगलवार आधी रात बाद हुए सड़क हादसे में सात कृषि मजदूरों की मौत हो गई।दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। यह हादसा मिनी लॉरी के पलटने से हुआ। पुलिस ने बताया की मिनी लॉरी एलुरु जिले के टी. नरसापुरम मंडल के बोर्रामपलेम गांव से काजू के बीज बोरियों में भरकर पूर्वी गोदावरी जिले के निदादावोलु मंडल के ताड़ीमल्ला के लिए रवाना हुई। अरिपतिदिब्बालु-चिन्नईगुडेम रोड पर देवरापल्ली मंडल के चिलकावरिपकालु के पास वाहन ने नियंत्रण खो दिया और रेलिंग से टकरा कर पलट गया। हादसा होते ही ड्राइवर कूदकर भाग गए। वाहन में सवार नौ लोगों में से सात की मौत हो गई। दो घायल हो गए। घायलों में एक की पहचान घंटा मधु (ताडिमल्ला) के रूप में हुई। डीएसपी देवकुमार का कहना है कि एसएसआई -शेष पृष्ठ दो पर

आईआईटी-गुवाहाटी के डीन कृष्णा ने दिया इस्तीफा

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-गुवाहाटी (आईआईटी-जी) के शैक्षणिक मामलों के डीन केवी कृष्णा ने आज अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा उन्होंने 9 सितंबर को उत्तर प्रदेश के एक छात्र की रहस्यमय मौत पर हो रहे विरोध प्रदर्शन के कारण दिया है। आईआईटी-जी के अधिकारियों ने आज प्रो. कृष्णा के इस्तीफे की पुष्टि करते हुए कहा कि वे इसपर आंतरिक रूप से चर्चा कर रहे हैं। जल्द ही कोई निर्णय लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बिमलेश कुमार (21) बीटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के तीसरे वर्ष का छात्र था। 9 सितंबर की सुबह ब्रह्मपुत्र छात्रावास के कमरे से छात्र का शव बरामद किए जाने के बाद आईआईटी-जी के लगभग तीन हजार छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया। छात्रों ने दावा किया कि मृतक उन 60 छात्रों में से एक था, जिन्हें स्वास्थ्य संबंधी कारणों से कक्षाओं -शेष पृष्ठ दो पर

कुकी-जो महिलाओं ने असम राइफल्स को हटाने का किया विरोध

इंफाल (हिंस)। मणिपुर की कुकी-जो महिलाओं ने कांगपोकपी से असम राइफल्स को हटाये जाने के विरोध में आज जमकर प्रदर्शन किया। कांगपोकपी में बड़ी संख्या में कुकी-जो महिलाओं ने 22 असम राइफल्स पोस्ट के सामने प्रदर्शन किया और क्षेत्र से अर्धसैनिक बलों की वापसी के फैसले को बदलने की मांग की। उल्लेखनीय है कि 9 सितंबर को स्थानीय ब्रिगेडियर एम थॉमस ग्राउंड में एक -शेष पृष्ठ दो पर

भारत की भौगोलिक स्थितियों में अलग-अलग सुरक्षा चुनौतियां : राजनाथ

नई दिल्ली (हिंस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को भारत की भौगोलिक स्थितियों में अलग-अलग सुरक्षा चुनौतियों की चर्चा करते हुए सीमावर्ती इलाकों के बुनियादी विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण में तीन ओर समुद्र से घिरा हुआ है, जहां की परिस्थितियां अलग हैं। पश्चिम में कच्छ के रण से लेकर, राजस्थान और पंजाब में चुनौतियां अलग हैं। उत्तर में कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक हिमालय के होने के कारण वहां चुनौतियां अलग हैं। यानी हर जगह अलग-अलग तरीके का भूगोल होने से उनकी अलग-अलग चुनौतियां हैं और उसके अनुसार हमें वहां के विकास पर ध्यान देना होता है। नई दिल्ली के मानेकशा सेंटर में बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट कॉन्क्लेव में रक्षा मंत्री ने कहा कि यह आयोजन दिखाता है कि हमारी सरकार और हमारी सेनाएं देश के सीमावर्ती इलाकों के विकास को लेकर कितनी प्रतिबद्ध हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि इस कॉन्क्लेव के दौरान हम सब इससे संबंधित सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करेंगे। यहां से ऐसी बातें निकलेंगी, जो देश के सीमावर्ती इलाकों के साथ-साथ हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे देश के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होंगी। पिछले 10 वर्षों में सीमावर्ती क्षेत्रों में साढ़े आठ हजार किलोमीटर से भी अधिक सड़कों का निर्माण हुआ है। लगभग चार सौ किलोमीटर से अधिक स्थायी पुलों का निर्माण किया गया है। इसके अलावा बनाई गईं सुरंगें सीमा क्षेत्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र विकास के लिए हमारी सरकार ने 220 किलो वोल्ट की श्रीनगर-लेह बिजली लाइन चालू की है, जिससे लद्दाख के सीमावर्ती क्षेत्र नेशनल इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड से जुड़ पाए। इसके साथ-साथ सिक्किम सहित उत्तर-पूर्वी राज्यों के ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन के -शेष पृष्ठ दो पर

मेरे लिए बीटीआर का चीफ बनना महत्वपूर्ण नहीं : प्रमोद बोड़ो

कोकराझाड़ (हिंस)। भाजपा से निष्कासित रेओरेवा नार्जारी की टिप्पणी पर गोरेश्वर में बीटीआर प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने जवाब देते हुए कहा कि मैंने नहीं सोचा था कि मैं अपनी मां के गर्भ में ही चीफ बनूंगा। मेरे लिए यह चिंता का विषय नहीं है कि मुझे चीफ बनना ही है। यह कोई बड़ी बात नहीं है कि बीटीआर का प्रमुख कौन होगा। बड़ी बात यह है कि बीटीआर के 35 लाख लोगों की शांति और विकास के लिए कौन काम करेगा। इसलिए लोग बहुत बात करेंगे। उनकी अपनी पार्टी सोचेगी कि बीटीआर का प्रमुख कौन होगा। प्रमोद बोड़ो -शेष पृष्ठ दो पर

माओवादियों ने स्वीकारा, बीते 20 वर्षों में एक हजार महिला समेत कुल 5,249 माओवादियों की हुई मौत

रायपुर (हिंस)। माओवादियों ने अपनी 20वीं वर्षगांठ मनाने के लिए 25 पन्नों का बुकलेट जारी किया है। बुकलेट में बताया गया कि बीते 20 सालों में माओवादियों के 8 पोलित ब्यूरो समेत केंद्रीय कमेटी के 22 सदस्यों की जान गई जबकि एक हजार महिला माओवादियों समेत कुल 5,249 माओवादियों की मौत हुई है। माओवादियों ने अपनी बुकलेट में 20वीं स्थापना वर्षगांठ को 21 सितंबर से 20 अक्टूबर तक देशभर में समरूपता एवं क्रांतिकारी जोश के साथ मनाने का आह्वान किया। बुकलेट में कहा गया है कि क्रांतिकारी आंदोलन द्वारा चुनौतियों को स्वीकार करें और तीन जादुई हथियारों के रूप में पार्टी, पीएलजीए एवं संयुक्त मोर्चा को विकसित करेंतथा पार्टी का उन्मूलन करने के लक्ष्य से चलाये जा रहे ऑपरेशन कगार का मुकाबला करें।उन्होंने अपनी बुकलेट में पुलिस बलों द्वारा उनके खिलाफ चलाये जा रहे अभियानों की जानकारी दी है तथा इसे क्रूर जनसंहार युद्ध कहा है। बुकलेट में माओवादियों ने जानकारी दी है कि मारे जाने वालों में 48 सैक-एसजीडीसी,एससी सदस्य, 14 आरसी सदस्य, 167 जेडसी-डीवीसी -डीसी सदस्य, 26 सब जोनल कमेटी सदस्य, 505 एसी/पीपीसी सदस्य, 871 पार्टी एवं पीएलजीए सदस्य शामिल हैं। माओवादियों ने 3596 मौतों को जन निर्माण कार्यकर्ता और -शेष पृष्ठ दो पर

पैरालंपियन शीतल देवी के बाद अब राकेश कुमार बने चुनाव आयोग के राष्ट्रीय आइकन

नई दिल्ली (हिंस)। पैरालंपिक तीरंदाजी चैंपियन शीतल देवी और राकेश कुमार दिव्यांग व्यक्तियों के लिए ईसीआई के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में देशभर के मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए एक साथ आए हैं। दोनों पेरिस पैरालंपिक खिलाड़ियों को आज निर्वाचन सदन में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधु उपस्थित रहे। इस दौरान आयोग ने प्रसिद्ध पैरालंपियन राकेश कुमार को -शेष पृष्ठ दो पर

70 साल से ऊपर सभी बुजुर्गों का फ्री में होगा इलाज, मोदी कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत के अंतर्गत लाने का निर्णय लिया है। इस योजना के अंतर्गत अब 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी लोग शामिल होंगे, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति -शेष पृष्ठ दो पर

यह 1962 या 1948 नहीं है यह नरेंद्र मोदी हैं जो स्पष्ट कहतें हैं कि छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं : तरुण चुघ

कठुआ (हिंस)। अगर सबसे ज्यादा अत्याचार सिखों पर किए हैं तो कांग्रेस पार्टी ने किए हैं। आज भी 1984 नहीं भूलती। यह बातें राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कठुआ में कहीं। बुधवार को जसरोटा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राजीव जसरोटिया का नामांकन पत्र भरवाने आए राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सिखों पर अगर सबसे ज्यादा अत्याचार किसी ने किया तो वह कांग्रेस पार्टी ने किया है। उन्होंने कहा कि भारत में अगर सिखों पर कभी खतरा बना तो 1984 में बना। उसे समय राहुल गांधी के पिता देश के प्रधानमंत्री थे। उन्होंने कहा कि देश के लगभग दो दर्जन शहरों में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने वोटर लिस्ट देखकर सिख समुदाय के लोगों को जिंदा जलाया, सिखों के खून से सड़के लाल कर दी। केवल इतना ही नहीं 40 साल उन कातिलों को बचाने का प्रयास कांग्रेस पार्टी ने किया। आज भी जगदीश टाइटलर जो कहता था कि मेने सिखों का कत्ल किया है। वह आज भी कांग्रेस पार्टी का नेता है। चीन पर तरुण चुघ बोले कि राहुल गांधी मंदबुद्धि हैं, उन्हें किसी भी प्रकार की कोई जानकारी नहीं है, वह टूल -शेष पृष्ठ दो पर

तरंग शक्ति में वायु सेना ने दिखाई अपनी रात्रिकालीन हवाई युद्ध क्षमता

नई दिल्ली (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय हवाई अभ्यास *तरंग शक्ति* के दौरान भारतीय वायु सेना ने अपनी रात्रिकालीन हवाई युद्ध की क्षमता का प्रदर्शन किया है। जोधपुर का आसमान शक्तिशाली लड़ाकू विमानों की गर्जना से जीवंत हो उठा। फेज-2 के दौरान वायु सेना की रात्रि मिशन सटीकता ने अपनी ताकत और अंतर-संचालन क्षमता को परिभाषित किया है। रात के आसमान में उड़ान भरने के लिए तैयार वायु सेना ने अपने कौशल और समन्वय का प्रदर्शन करके रेगिस्तानी इलाके में विदेशी सेनाओं के सामने अपनी रक्षात्मक और आक्रामक अभियान को दिखाया है। भारतीय वायु सेना की मेजबानी में पहली बार हो रहे बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास *तरंग शक्ति* के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत 29 अगस्त से हुई। इस चरण में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, बांग्लादेश, सिंगापुर, यूएई की वायु सेनाओं के साथ 14 सितंबर तक चलने वाले *तरंग शक्ति* के दौरान वायु सेनाओं के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, विशेष ऑपरेशन विमान, मध्य हवा में ईंधन भरने वाले और हवाई चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली (अवाक्स) विमान सहित 70-80 विमान भाग ले रहे हैं। इस अभ्यास में अमेरिका अपने एफ-16 और ए-10 विमानों के साथ भाग ले रहा है। *तरंग शक्ति* अभ्यास में भारत के सबसे छोटे लड़ाकू एलसीए तेजस ने अपनी क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन किया। इसकी ताकत परखने के लिए कई विदेशी वायु सेनाओं के प्रमुखों ने एलसीए में उड़ान भरी है। वैश्विक रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए भारत ने अपनी उन्नत हवाई क्षमताओं को प्रदर्शित किया। भारतीय टुकड़ी ने कई हवाई युद्ध उड़ानों में भाग लेकर *आत्मनिर्भरता* के तहत स्वदेशी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। हिंद महासागर क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने के लिए भारतीय लड़ाकू विमान सुखोई-30 ने राफेल की जोड़ी का नेतृत्व किया। भारतीय वायु सेना ने अपनी रात्रिकालीन हवाई युद्ध की क्षमता का प्रदर्शन किया है। वायु सेना ने बुधवार को फोटो और वीडियो शेयर करके रात्रिकालीन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बंगाल में जजों पर हमले की साजिश

कोलकाता (हिंस)। पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर क्षेत्र में एक जज के घर पर हमले की साजिश का मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल को पत्र लिखकर अपनी चिंता जताई है। मजूमदार ने अपने पत्र में बताया है कि डायमंड हार्बर में एक जज के आवास पर रात के समय हमला करने की साजिश रची गई। हमलावरों ने जज के आवास की बिजली काटने का प्रयास किया। डायमंड हार्बर के पुलिस अधिकारी कुमारेश बिस्वास पर आरोप है कि उन्होंने सुरक्षा कर्मियों पर हमलावरों को प्रवेश देने के लिए दबाव बनाया। मजूमदार ने पत्र में ममता सरकार पर भी सवाल उठाया और कहा कि इस तरह की घटनाएं राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को दर्शाती हैं।

हरित हाइड्रोजन भंडारण समाधान, उद्योग चुनौतियों के समाधान के लिए सामूहिक विशेषज्ञता की आवश्यकता : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि हरित हाइड्रोजन दुनिया के ऊर्जा परिदृश्य में एक आशाजनक विकल्प के रूप में उभर रहा है। यह उन उद्योगों को डीकार्बोनाइज करने में मदद कर सकता है जिन्हें विद्युतीकृत करना मुश्किल है। इससे रिफाइनरी, उर्वरक, इस्पात, भारी शुल्क परिवहन और कई अन्य क्षेत्रों को लाभ होगा। प्रधानमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि हरित हाइड्रोजन का उपयोग अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा के भंडारण समाधान के रूप में किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक वीडियो संदेश के माध्यम से ग्रीन हाइड्रोजन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। ग्रीन हाइड्रोजन पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने संबोधन में प्रधामंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन केवल भविष्य का मामला नहीं है, बल्कि इसके प्रभाव अब महसूस किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन और स्थिरता वैश्विक नीति बहस के केंद्र में है क्योंकि कार्य करने का समय यहीं और अभी है। प्रधान मंत्री मोदी ने हरित हाइड्रोजन उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए सामूहिक विशेषज्ञता की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में डोमेन विशेषज्ञों के लिए नेतृत्व करना और एक साथ काम करना महत्वपूर्ण है। प्रधान मंत्री ने वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों को सार्वजनिक नीति में बदलाव का सुझाव देने के लिए भी प्रोत्साहित किया, जिससे इस क्षेत्र को और समर्थन मिलेगा। प्रधानमंत्री ने मोदी ने वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय से हरित हाइड्रोजन उत्पादन में इलेक्ट्रोलाइजर और अन्य घटकों की दक्षता बढ़ाने, उत्पादन के लिए समुद्री जल और नगरपालिका अपशिष्ट जल के उपयोग का पता लगाने जैसी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे विषयों पर संयुक्त रूप से चर्चा करने से दुनिया भर में हरित ऊर्जा परिवर्तन में काफी मदद मिलेगी। प्रधान मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि ग्रीन हाइड्रोजन पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जैसे मंच इन मुद्दों पर सार्थक आदान-प्रदान को उत्प्रेरित करेंगे। स्वच्छ और हरित पृथ्वी के निर्माण के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए प्रधान मंत्री ने बताया कि भारत हरित ऊर्जा पर पेरिस प्रतिबद्धताओं को पूरा करने वाले पहले जी20 देशों में से एक है।

अवैध धर्मांतरण मामले में मौलाना कलीम सिद्दीकी समेत 12 दोषियों को उम्रकैद

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में अवैध धर्मांतरण के मामले में एटीएस-एनआईए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश ने 12 दोषियों को उमकैद की सजा सुनाई है। चार दोषियों को दस-दस वर्ष की सजा सुनाई है। उम्रकैद की सजा पाने वालों में मदरसा जामिया इमाम वलीउल्लह इस्लामिया का संचालक मौलाना कलीम सिद्दकी भी शामिल है। धर्मांतरण मामले में कुल 17 आरोपित थे। इसमें एक आरोपित इदरीश कुरैशी को हाईकोर्ट से स्टे ? मिल गया। एटीएस के लोक अभियोजक एमके सिंह ने बताया कि एनआईए-एटीएस कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने अवैध रूप से मतांतरण का दोषी मानते हुए मंगलवार को फैसला सु ?रक्षित कर लिया था। बुधवार को सजा का ऐलान किया। इसी को ध्यान में रखते हुए कड़ी सुरक्षा में सभी दोषियों को कोर्ट में पेश किया गया। न्यायधीश ने अपना फैसला सुनाते हुए मो. उमर गौतम, सलालुद्दीन जैनुद्दीन शेख, मुफ्ती जहांगीर कासमी, इरफान शेख उर्फ इरफान खान, मौलाना कलीम सिद्दकी, भुप्रियबंदो मानकर उर्फ अरसलान मुस्तफा, प्रसाद रामेश्वर कांवरे, कौशर आलम, डॉ. फराज शाह, धीरज गोविंद, सरफराज अली जाफरी, अब्दुला उमर को उम कैद की सजा सुनाई है।

वृहत्तर चचल वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन ने मनाया अपना 9वां स्थापना दिवस

गुवाहाटी। वृहत्तर चचल वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन ने अपना 9वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन सुबह 9 बजे सम्मेलन के अध्यक्ष व होजाई कॉलेज के सेवानिवृत्त प्राचार्य कुमुदेश्वर शर्मा ने किया। स्मृति तर्पण कार्यकारी अध्यक्ष रॉबिन बरदलै ने किया। तत्पश्चात वरिष्ठ नागरिकों से आत्मीय चर्चा की गई जिसमें उन्होंने अपने जीवन की कुछ उल्लेखनीय घटनाओं से कार्यक्रम को रोचक बना दिया। दोपहर तीन बजे चचल शतदल शाखा साहित्य सभा कार्यालय के रवीन्द्र नाथ दास सभागार में आयोजित स्थापना दिवस के कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन के अध्यक्ष शर्मा ने की। उपस्थित लोगों का स्वागत डॉ. नव नाहर डेका ने किया जबकि उद्देश्यों पर सम्मेलन के सचिव डॉ. बुधिन सैकिया ने प्रकाश डाला।कार्यक्रम की शुरुआत सम्मेलन के विशेष उद्घाटन गीत से हुई। इसके बाद स्थानीय वरिष्ठ नागरिकों भूपाल चक्रवर्ती और हेमकांत दास को फुलम गमछा एवं गुलदस्ता उपहार देकर अभिनंदन किया गया। सम्मेलन के मुखपत्र ज्येष्ठप्रभा को आधिकारिक तौर पर विमोचन सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी और प्रमुख लेखक कामरूप रत्न थानेश्वर मालाकार ने किया।

उन्होंने मुखपत्र का संक्षिप्त विवरण दिया और वरिष्ठ नागरिकों के कुछ अंतरंग मुद्दों का विश्लेषण किया। सम्मेलन के महासचिव प्रसन्ना कुमार बरठाकुर ने वरिष्ठ नागरिकों के विकास के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं और वरिष्ठ नागरिकों के विभिन्न पहलुओं के विकास के लिए किए गए विभिन्न कार्यक्रमों का विश्लेषण भी प्रस्तुत किया। वरिष्ठ कलाकार डॉ. गार्गी मालाकार, सदानंद बर्मन, डॉ. सुदर्शन बरुआ और प्रणति बरुआ ने अपने गीतों से सभी को मंत्र मुक्त कर दिया।वरिष्ठ कलाकार डॉ. गार्गी मालाकार, सदानंद बर्मन, डॉ. सुदर्शन बरुआ और प्रणति बरुआ ने अपने गीतों से समा बांध दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गौहाटी उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रूमी कुमारी फुकन ने बुजुर्गों के एकाकी जीवन के कुछ दिलचस्प पहलुओं का विश्लेषण किया और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कानूनों पर अपने सैद्धांतिक व्याख्यान से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शाम 6.30 बजे असमिया संगीत के साथ दिनभर चला स्थापना दिवस कार्यक्रम संपन्न हुआ।

Apollo Cancer Centre Chennai

CONSULTANT NEUROSURGEON

DR. K. CHANDRASEKHAR M.ch(Neurosurgery), Fellowship in Skull Base & Cerbrovascular Sugery(USA) Fellowship in Endovascular Surgery(Netherlands)

Visiting GUWAHATI ON 22nd September'2024

Patients suffering from Fits, Seizures, Brain Tumors, Cerebral Stroke, Back Pain, Neck Pain, Cervical and Lumber spondylosis, Facial Pain, Stiff Back and other Neurological Problem can register their names in advance at:

APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

महाराष्ट्र और कर्नाटक के बाद मध्यप्रदेश राज्य को एमएसपी पर सोयाबीन खरीदने की दी अनुमति : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली (हिंस)। देश के सोयाबीन उत्पादक किसानों को अपने उत्पाद की बिक्री को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है। कृषि मंत्रालय न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सोयाबीन की खरीदारी करेगी। इसके लिए अभी तीन राज्यों को अनुमति दी गई है। कृषि मंत्रालय ने महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों के बाद अब मध्य प्रदेश राज्य को भी एमएसपी पर सोयाबीन खरीदने की अनुमति दे दी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के क्रम में यह बात कही है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि और किसान कल्याण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

धूमधाम से मनाई राधाष्टमी, विशेष झांकी सजाई गई

जोधपुर (हिंस)। भाद्रपद शुक्ल अष्टमी पर आज शहर में राधाष्टमी धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान कई कृष्ण मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम हुए। राधा-कृष्ण की प्रतिमाओं पर विशेष श्रृंगार व पूजन किया गया। रातानाडा स्थित कृष्ण मंदिर सहित शहर के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में बुधवार को राधाष्टमी मनाई गई। रातानाडा स्थित कृष्ण मंदिर के पुजारी हरिभाई गोस्वामी बताया कि राधा रानी के जन्मोत्सव पर विशेष झांकी सजाई गई और राधा रानी का अलौकिक श्रृंगार किया गया। सुबह कीर्तन सत्संग व राधा रानी की महाआरती के साथ भोग लगाकर प्रसाद

वितरण किया गया। इसी प्रकार सूरज नगर स्थित ईश्वर प्रेम आश्रम के पास हरी प्रेम सभागार में राधाष्टमी महोत्सव मनाया गया। डॉ. रेणु परिहार ने बताया कि सुबह भजन कीर्तन हुए। मंदिर में भव्य सजावट की जाएगी। राधाष्टमी के अवसर पर सत्संग भवन में भी बुधवार को महा महोत्सव आयोजित किया गया। महोत्सव में भजन गायक अनिल पुरोहित, संजय पंचारिया, दीपक पंवार समेत वृंदावन से विशेष रूप से आमंत्रित भजन कलाकार ने भक्ति संगीत की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर सत्संग भवन को फूलों की माला, रंगीन झालरों से सजाया गया।

राहुल गांधी के आवास के बाहर भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली (हिंस)। सिख समुदाय पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सिख प्रकोष्ठ ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। अमेरिका में सिख समुदाय पर दिए गए बयान को लेकर लोकसभा नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ उनके आवास के बाहर सिख प्रकोष्ठ के नेताओं ने पोस्टर-बैनर लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और जबरदस्त नारेबाजी की। इस मौके पर भाजपा नेता आरपी सिंह ने राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की। राहुल पर वार करते हुए भाजपा नेता सिंह ने कहा कि उन्होंने भारत को बदनाम करने के लिए विदेशी धरती का इस्तेमाल किया। उन्होंने सिखों के बारे में कैसे बयान दिया कि सिखों को पगड़ी पहनने और गुरुद्वारे में जाने की इजाजत नहीं है।

सीबीआई ने ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड सतना के डिवीजनल मैनेजर सहित 14 व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया

नई दिल्ली (हिंस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने धोखाधड़ी के आरोप में ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (ओआईसी लिमिटेड) सतना (एमपी) के वरिष्ठ डिवीजनल मैनेजर सहित 14 व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सीबीआई के मुताबिक इस धोखाधड़ी में सतना (एमपी) के डेवलपमेंट ऑफिसर, एजेंट, इंदौर स्थित सर्वेयर और लॉस असेसर, जांचकर्ता और सतना (एमपी) स्थित निजी फर्मों के आठ मालिक शामिल हैं। सीबीआई ने मध्य प्रदेश के इंदौर, सतना और जबलपुर में आरोपियों के आवासीय और आधिकारिक परिसरों सहित तीन स्थानों की तलाशी ली, जिससे कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए। सीबीआई ने आज यह जानकारी दी। सीबीआई ने जिन आरोपियों के नाम एफआईआर में दर्ज किया है, उसमें ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड सतना डिवीजनल आफिस के वरिष्ठ डिवीजनल मैनेजर आरसी पार्टेरी, डेवलपमेंट आफिसर विजय कुमार मोंगिया, एजेंट श्रीचंद अग्रवाल, विजय कुमार मोंगिया, सर्वेयर एवं हानि निर्धारक सुनील गर्ग, अन्वेषक ब्रजेश कुमार यादव, ट्रेडिंग कंपनी के प्रोप्राइटर चंद्रबली दहिया,सुनील कुमार पांडेय,अनिल कुमार, साजन वर्मा,प्रशांत पांडेय, दीपक कुमार पांडेय, रामानंद द्विवेदी, फक्कड़ चमरकर का नाम शामिल है। सीबीआई के मुताबिक आरोपितों ने वर्ष 2022 के दौरान इन व्यक्तियों ने आपस में मिलीभगत से ओआईसी लिमिटेड, सतना से धोखाधड़ी से बीमा राशि का दावा किया। इस तरह ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 4 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। शिकायत में आरोप लगाया गया कि 7 फर्मों के तेंदू पत्ता व्यापारियों 14 पॉलिसियों के तहत ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, सतना से तेंदू पत्ते (बीड़ी पत्ते) के स्टॉक का बीमा कराया और स्टॉक को सतना जिले के ग्राम अहिरगांव में एक गोदाम में रखा गया था। जो कथित तौर पर आग से जल गया। कथित तौर पर गोदाम में बिजली का कनेक्शन नहीं था और कथित आग मानव निर्मित थी। यह भी आरोप लगाया गया कि

No. KDB-415/15th FC/2023-24/9777 *Date 10/09/2024*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered contractor Class-I (A, B, C) & Class-II categories Assam P&RD and BTC, according to their eligibility for submitting tenders for the works under 15th FC fund for the year 2023-24 as stated below. The tender will be received by the undersigned upto 2.00 PM of 02/10/2024 and will be opened on the next day at 3.00 P.M.

Sl. No.	Name of Work	Location	A.A. Amount (Rs. In lakh)	Cost of bid document	Amount of bid security	Time of completion
1	2	3	4	5	6	7
1	Const. of road with heavy E/F and S/G from Monota Narzary house to Roshna Basumatary house at Dumbajhar village	Dumbajhar	Rs. 13.00 L	0.03%	SC/ST= 1% OTH = 2%	3 months

Details N.I.T may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender will be issued to the contractors of their authorized agents from 12/09/2024 to 02/10/2024 In the office of the undersigned on payment in the form of demand draft/banker's cheque from any Nationalized bank, duly pledged in favour of the BDO, Kachugaon Dev. Block, Gurufela.

Sd/- Block Development Officer,
Kachugaon Dev. Block, Gurufela

IPR(BTC)/C/2024-25/499

पृष्ठ एक का शेष

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के एक्सपोनेंशियल ...

आईमैक के प्रेसिडेंट व सीईओ, लूकवॉडन हॉल ने कहा कि हम भारत की सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को बूस्ट करने के लिए तैयार हैं। आईमैक स्ट्रैटिज साझेदारी के लिए तैयार है। यह केवल भारत नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए जरूरी है क्योंकि एक रिलायबल सप्लाई चेन चाहिए जिसकी कमी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के तौर पर भारत के अलावा कौन प्रस्तुत कर सकता है।

भारत और फिलीपींस ने ...

बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। इस यात्रा के दौरान रक्षा सचिव ने फिलीपींस के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री गिल्बर्ट एडुआर्डो गेरार्डो कोजुआंगको टेओडोरो जूनियर से भी मुलाकात की। इससे पहले फिलीपींस के सशस्त्र बलों के मुख्यालय में पूरे सम्मान के साथ उनका स्वागत किया गया। जेडीसीसी का गठन भारत और फिलीपींस के बीच 2006 में हस्ताक्षरित रक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन के दायरे में किया गया है। राजनयिक संबंधों के 75वें वर्ष और एक्ट ईस्ट नीति के 10 वर्षों में जेडीसीसी की सह-अध्यक्षता को सचिव स्तर तक उन्नत किया गया है।

मेरे लिए बीटीआर का चीफ ...

आज गोरेश्वर कॉलेज में नवनिर्मित विज्ञान भवन का उद्घाटन करते हुए पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि बीपीएफ और यूपीपीएल के बीच सीईएम सीट को लेकर चल रही जुबानी जंग के बीच भाजपा से निष्कासित ईएम रिओरेवा नार्जारी ने हाल ही में एक बैठक में कहा था कि भाजपा इसका फायदा उठाएगी।

भारत की भौगोलिक स्थितियों में ...

बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। हमारा यह मानना है कि सड़क और बिजली ऐसी बुनियादी सुविधाएं हैं, जो किसी भी क्षेत्र के विकास की नींव बनती हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर लॉन्च करते हुए हमने भारत-नेट ब्रॉडबैंड प्रोजेक्ट के माध्यम से 1500 से अधिक गांवों में हाई-स्पीड इंटरनेट का वादा किया है। सिर्फ पिछले 4 सालों में ही हमने 7,000 से अधिक सीमावर्ती गांवों को इंटरनेट से जोड़ा है और इनमें भी हमारा ज्यादातर फोकस लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश के संवेदनशील इलाकों पर रहा है। राजनाथ सिंह ने सीमावर्ती इलाकों के विकास में सेना का सहयोग सराहनीय बताते हुए कहा कि उत्तरी सीमा पर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश के गांव कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचा की कमी से जूझ रहे हैं। इन गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़कर एक *मॉडल विलेज* के रूप में परिवर्तित करना हमारा उद्देश्य है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के गांव *हुरी* का उदाहरण देते हुए कहा कि यह गांव नागरिक-सैन्य सहयोग के माध्यम से विकसित होने का अनोखा उदाहरण है। यहां तरफ भारत सरकार और अरुणाचल प्रदेश की सरकार ने आर्थिक विकास पर ध्यान दिया तो दूसरी तरफ सीमा सड़क संगठन और भारतीय सेना ने बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान दिया। इसका परिणाम यह निकला कि *हुरी* गांव से पलायन करने वाले ग्रामीण अब फिर वापस आने लगे हैं।

कुकी-जो महिलाओं ने ...

सार्वजनिक बैठक में कुकी-जो समुदाय ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया था कि अगर केंद्र असम राइफल्स की जगह सीआरपीएफ को लाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार नहीं करता है तो कांगपोकपी जिले में असम राइफल्स के सभी कैंपों को सील कर दिया जाएगा। आज असम राइफल्स को वापस बुलाए जाने की जानकारी मिलने के बाद महिलाएं बैस बहादुर 22 असम राइफल्स पोस्ट पर एकत्र हुईं। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने कहा कि असम राइफल्स मौजूदा जातीय संघर्षों के दौरान लोगों की जान बचाने में एकमात्र तटस्थ बल रही है। उन्होंने कहा कि असम राइफल्स की अन्य केंद्रीय सुरक्षा बलों की तुलना में विद्रोहियों से निपटने की अधिक क्षमता है। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि बलों को वापस बुलाया गया तो हिंसा बढ़ सकती है। महिलाओं ने प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्रालय को इस पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संघर्ष प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने और आगे की हिंसा को रोकने के लिए असम राइफल्स की मौजूदगी महत्वपूर्ण है।

70 साल से ऊपर सभी ...

कुछ भी हो। कैबिनेट ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य कवरेज की मंजूरी दी। बुजुर्गों को आयुष्मान भारत स्कीम के तहत 5 लाख रुपए तक की मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। अगर पहले से कोई परिवार आयुष्मान में शामिल है और इसमें कोई 70 साल से ज्यादा की उम्र का सदस्य है तो 5 लाख का अतिरिक्त मिलेगा।

पैरालंपियन शीतल देवी ...

दिव्यांगजनों के लिए ईसीआई राष्ट्रीय आइकन घोषित किया। वहीं शीतल देवी को इस वर्ष 16 मार्च को लोकसभा 2024 के आम चुनावों की घोषणा से ठीक पहले ईसीआई नेशनल आइकॉन घोषित किया गया था। शीतल देवी और उनके मिश्रित युगल टीम के साथी राकेश कुमार ने हाल ही में पेरिस ग्रीष्मकालीन पैरालंपिक 2024 में तीरंदाजी में कांस्य पदक जीता है। इस अवसर पर आयोग ने सुलभ और समावेशी चुनावों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर की एक युवा भावी मतदाता के रूप में शीतल देवी युवाओं और दिव्यांगों दोनों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होने के लिए प्रेरित करती हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि अपने खेल की तरह ही तीरंदाज शीतल देवी जम्मू-कश्मीर की चुनाव प्रक्रिया में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए हमारे प्रयास में सहयोग करेंगी। राकेश कुमार ने टोक्यो और पेरिस में पैरालंपिक स्पर्धाओं में तीरंदाजी में दो बार देश का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 2023 विश्व तीरंदाजी पैरा चैम्पियनशिप में मिश्रित टीम स्पर्धा में और एशियाई पैरा खेलों 2022-23 में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने एशियाई पैरा खेलों 2022-23 में व्यक्तिगत और पुरुष टीम में रजत पदक भी जीता है।

माओवादियों ने स्वीकारा, बीते...

क्रांतिकारी जनता बताया है। प्रतिबंधित संगठन द्वारा जारी पुस्तिका में कहा गया कि बीते दो दशकों में सुरक्षाबलों पर 4073 बड़े, मझौले एवं छोटे किस्म के कार्यनीतिक जवाबी हमले किए गए। माओवादियों के अनुसार उनके हमले में पुलिस और सुरक्षा बलों के 3090 जवानों हताहत हुए तथा 4077 जवानों को घायल करने की संख्या बताई। जवानों से 2,365 आधुनिक हथियार और 1,19,682 कारतूस और अन्य असलहा हासिल किए जाने की जानकारी दी गई है। बीते साढ़े तीन सालों में संगठन के बड़े नुकसान का जिक्र करते हुए बताया गया है कि इस दौरान 439 माओवादी सदस्य मारे गए, वहीं 215 हथियारों से हाथ धोना पड़ा है। 2021 से जुलाई 2024 तक 669 गुरिल्ला युद्ध कार्यवाहियों में 261 जवानों को हताहत करने और 516 जवानों को घायल करने की बात लिखी गई। 3 सालों के इन हमलों से 25 हथियार हासिल किए जाने की बात कही गई।वहीं बीते एक वर्ष में ही 218 सदस्यों, कार्यकर्ताओं और लीडर्स की मौत का उल्लेख किया गया है।बुकलेट में जंगलों, बीहड़ों और देहातों से शहरों तक में युद्ध लड़े जाने के बारे में बताया गया है। माओवादी संगठन के इतिहास की जानकारी देते हुए वे कब-कब और कैसे कमजोर और दोबारा कैसे मजबूत हुए की भी जानकारी दी गई है। इसके अलावा माओवादियों के खिलाफ उभरने वाले जनाक्रोश और जनांदोलनों की बात भी लिखी गई है। उन्होंने अपनी बुकलेट में माओवादियों के केंद्रीय कमेटी ने माओवादी संगठन में होने वाले बदलावों का भी जिक्र किया है। उल्लेखनीय है कि तीन वर्ष पहले नक्सलियों की पीएलजीए यानी *पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी* ने 109 पन्नों की एक किताब जारी की थी । इस किताब में माओवादियों ने साल 2000 से लेकर अगस्त 2021 तक अपनी सारी कामयाबी और नुकसान का जिक्र किया था ।इसमें 20 सालों में 4739 नक्सलियों की मौत की जानकारी दी गई थी जिसमें 5 लाख से 1 करोड़ के इनामी 237 नक्सली भी शामिल थे,196 अपने ही लगाए एंबुश में फंसे थे। इसमें उन्होंने यह भी बताया था कि उनके हमलों 3054 जवान बलिदान तथा 3072 जवान घायल हुए थे।

यह 1962 या 1948 नहीं है ...

किट का हिस्सा बनकर देश को बदनाम कर रहे हैं। चुघ ने कहा कि एक भी इंच भारत की भूमि ना कोई छीन सका है ना छीन सकता है। यह 1962 या 1948 नहीं है जहां नरेंद्र मोदी हैं जो स्पष्ट करते हैं कि छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं। यह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार है देश का एक इंच हिस्सा अब कोई नहीं ले सकता।

तरंग शक्ति में वायु ...

हवाई युद्ध अभ्यास के बारे में आधिकारिक तौर पर जानकारी दी। इस अभ्यास में स्वदेशी एलसीए तेजस ने अपनी लड़ाकू ताकत का प्रदर्शन करके प्रतिभागी वायु सेनाओं के सामने अपनी क्षमता दिखाई है। हवाई अभ्यास के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध का भी वातावरण तैयार किया गया, जहां वायु सेना ने सतह से हवा में मार करने वाले निर्देशित हथियार तैनात किए गए। रात्रिकालीन हवाई युद्ध अभ्यास में दुनिया के पहले लड़ाकू हेलीकॉप्टर स्वदेशी प्रचंड ने उड़ान भरकर अपनी ताकत दिखाई। वायु सेना के मुताबिक *नाइट एयर कॉम्बैट* के दौरान जोधपुर का आसमान शक्तिशाली लड़ाकू विमानों की गर्जना से जीवंत हो उठा। फेज-2 के दौरान वायु सेना की रात्रि मिशन सटीकता को परिभाषित किया है। रात के आसमान में उड़ान भरने के लिए तैयार वायु सेना ने अपने कौशल और समन्वय का प्रदर्शन करके रेगिस्तानी इलाके में विदेशी सेनाओं के सामने अपनी रक्षात्मक और आक्रामक अभियान को दिखाया है। यह प्रदर्शन वायु सेना के कौशल और अटूट समर्पण के प्रमाण हैं, जो हमारी ताकत और अंतर-संचालन क्षमता को परिभाषित करते हैं।

आईआईटी-गुवाहाटी के

से गैरहाजिर रहने के कारण फेल किया गया था। वह अप्रैल से अबतक इस साल आत्महत्या करने वाला आईआईटी-जी का तीसरा छात्र था। स्थानीय पुलिस ने उसकी मौत कैसे हुई, इसका पता लगाने के लिए मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कृष्णा से अकादमिक मामलों के डीन के पद का दुरुपयोग करने और छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में सहायक प्रोफेसर पद से इस्तीफे की मांग छात्रों द्वारा की जा रही थी।

सड़क हादसे में सात ...

श्रीहरि राव और सुब्रमण्यम के साथ वह मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। मृतकों के नाम देवबद्दुला बूरैया (40), तम्मीरेड्डी सत्यनारायण (45), पी चिनमुसलाया (35), कट्टव कृष्णा (40), कट्टव सत्तीपांडु (40), ताडिमल्ला के ताड़ी कृष्णा (45) और कटकोटेश्वर के समिशरागुडेम मंडल हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले का अप्रत्यक्ष रूप से गुजरात कनेक्शन : देवब्रत सैकिया

असम विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता देवब्रत सैकिया ने पत्रकार वार्ता में लगाए गंभीर आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा असम विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता देवब्रत सैकिया ने कहा है कि असम में हाल ही में हुए ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले का अप्रत्यक्ष रूप से गुजरात कनेक्शन है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात के दिखाए रास्ते पर चलते हुए ऑनलाइन ट्रेडिंग का जाल पूरे देश में फैल चुका है। कांग्रेस नेता सैकिया बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि गुजरात की एक कंपनी ने जनवरी में देशभर के हजारों लोगों को झूठे सपने दिखाकर लूट लिया गया। इतना कुछ होने के बावजूद इस तरह के अवैध वित्तीय लेन-देन की निगरानी और नियमन की जिम्मेदारी संभालने वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) और सेबी ने कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। नतीजतन, गुजराती कंपनी का मालिक धवल सोलानी हजारों लोगों के अरबों रुपए लेकर आसानी से विदेश भागने में सफल रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि असम में शेयर बाजार के नाम पर हुए रजिस्ट्रेशन घोटाले की

जांच अब गुजरात मॉडल पर हो रही है। उन्होंने कहा कि आज गुजरात में पौंजी स्कीम चलाने वाली कंपनी के संस्थापक धवल सोलानी की तरह डीबी स्टॉक ब्रोकिंग के संस्थापक दीपांकर बर्मन को असम से भागने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि बिशाल फूकन से भी बदतर घोटाला करने वाले दीपांकर बर्मन को गिरफ्तार करने में सरकार विफल रही है। सैकिया ने कहा कि शेयर बाजार के नाम पर चल रही इन कंपनियों को बिना जांच पड़ताल के कैसे चलने दिया जा सकता है। सबसे बड़ी बात यह है कि डीबी स्टॉक ब्रोकर कंपनी ने डीबी (इंटरनेशनल) स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड के नाम का नकल करके लोगों को ठगा। दीपांकर बर्मन ने इस स्थापित कंपनी के नाम पर 23 हजार लोगों को झांसा दिया था। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक दीपांकर के ऑस्ट्रेलिया में भी ग्राहक थे। सेबी और ईडी जैसी एजेंसियों को इतने समय तक कुछ पता क्यों नहीं चला। देवब्रत सैकिया ने कहा कि असम में मुख्यमंत्री की जानकारी के बिना ऑनलाइन कारोबार में हजारों करोड़ रुपए उड़ा दिए गए। मुख्यमंत्री ने अपने पुलिस विभाग को हजारों करोड़ की धोखाधड़ी में शामिल मुख्य दोषियों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। असम में शेयर बाजार का केवल 1.1 प्रतिशत हिस्सा है। हालांकि, दीपक बर्मन पर ऑनलाइन स्टॉक ब्रोकिंग के नाम पर लगभग सात हजार करोड़ रुपए का गबन करने का आरोप है। उन्होंने सवाल उठाया कि ईडी ने अभी तक इस दीपांकर बर्मन के खिलाफ मामला क्यों नहीं दर्ज किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीबी स्टॉक ब्रोकिंग शेयर बाजार में निवेश के नाम पर असम के लोगों को बेवकूफ बना रहा है क्योंकि रॉयल ग्लोबल जैसी निजी क्षेत्र की यूनिवर्सिटी ने ऐसे धोखेबाजों को प्रायोजित किया है, जो गुजराती कंपनियों के तौर-तरीकों की नकल करते हैं। उलुबारी में सेंटर प्वाइंट नामक इमारत का स्वामित्व रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के एक पार्टनर के पास है। उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि यह जगजाहिर है कि इस कारोबार को संरक्षण देने वाले लोग मुख्यमंत्री राहत कोष में नियमित रूप से योगदान देते हैं। गुजराती कंपनी क्रेडिट बुल के साथ जो हुआ है, वही असम में डीबी स्टॉक ब्रोकिंग के साथ हुआ है। उन्होंने कहा कि एक अन्य आरोपित बिशाल फूकन स्टाम्प पेपर पर अनुबंध करके लोगों से पैसे इकट्ठा कर रहा था। नोटरी के माध्यम से ऐसे स्टाम्प पेपर पर समझौते की जानकारी राज्य सरकार को क्यों नहीं है? चार दिनों में 24 प्रतिशत लाभ और एक साल से भी कम समय में 240 दिनों में 100 प्रतिशत लाभ के वादे के साथ बिशाल फूकन के कारोबार के बारे में असम सरकार के खुफिया विभाग को क्यों नहीं पता था? हमारा सवाल यह है कि असम पुलिस ने मुख्य आरोपी दीपांकर बर्मन और उसके साथियों को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया है। क्या सरकार दीपांकर बर्मन को भागने का मौका दे रही है, जैसे उसने गुजरात के क्रेडिट बुल के मालिक धवल सोलानी को विदेश भागने का मौका दिया था? सरकार को असम के लोगों के सभी सवालों का एक-एक करके जवाब देना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे हजारों करोड़ रुपए के इस घोटाले पर श्वेत पत्र जारी करने का साहस करें।

राइस मिल एसोशिएशन के सदस्यों के साथ मंत्री रंजीत दास ने की बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। असम राइस मिल एसोशिएशन के सदस्यों के साथ ही बजाली जिला के प्रतिनिधियों के साथ आज राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति आदि मामलों के मंत्री रंजीत कुमार दास ने दिसपुर स्थित अपने कार्यालय सभाकक्ष में बैठक की। बैठक में मंत्री दास ने राइस मिल मालिकों की समस्याओं को सुना। उन्होंने समस्याओं के समाधान का हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस बैठक में खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले से संबंधित विभाग के अतिरिक्त सचिव बिस्वरंजन सामल, सचिव अनुसुइया दत्त बरुवा, असम खाद्य और नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक दिगंत दास, ऑल असम राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष किंकर दास और सचिव मुस्तफिजुर रहमान के साथ ही कई प्रतिनिधि मौजूद थे।

भारत-भूटान सीमा पर व्यापक पैमाने पर हथियार और विस्फोटक बरामद

तामुलपुर (हिंस)। भारत-भूटान सीमा पर तामुलपुर पुलिस ने आज हथगोले के साथ हस्तनिर्मित बंदूकें बरामद की है। इनमें आठ हथगोले, दो हस्तनिर्मित बंदूकें, धनुष और तीर बरामद किए गए। बरामद सामग्री भूटान-असम की सीमाई क्षेत्र में जमीन में दबी हुई थी। तामुलपुर पुलिस ने आज दरंगा मेला इलाके में गुपचुप तरीके से छापा मारकर सामग्री बरामद की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि ग्रेनेड सक्रिय अवस्था में पाए गए हैं। सामग्री काले रंग की पॉलिथीन में लिपटी हुई मिली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

असम में अवैध घुसपैठ की कोशिश कर रहे शख्स को पुलिस ने पकड़कर वापस बांग्लादेश भेजा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने बुधवार को बताया कि एक बांग्लादेशी नागरिक को पकड़कर उसके देश वापस भेज दिया गया है। सीएम सरमा ने कहा कि असम पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिक को अवैध तरीके से भारत में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि असम पुलिस द्वारा एक और सतर्क कदम उठाते हुए एक बांग्लादेशी नागरिक को बॉर्डर पर रोका गया और 1-45 बजे बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। हमारी सेनाएं सीमा पर हाई अलर्ट पर हैं और हम भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ के किसी भी प्रयास को रोकेंगे। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश से घुसपैठ के प्रयास बढ़े हैं और घुसपैठियों के कदमों को विफल करने के लिए सुरक्षाबलों को अतिरिक्त सतर्क किया गया है। इससे पहले उन्होंने बांग्लादेश से घुसपैठ के मुद्दे से निपटने के लिए कई घोषणाएं की थी। हालांकि, राज्य में बीते कुछ समय में घुसपैठ की घटनाओं में इजाफा

हुआ है। सीएम सरमा ने डेटा साझा करते हुए कहा कि इस साल जनवरी से अब तक कुल 54 अवैध प्रवासियों का पता चला है, जिनमें से 48 करीमगंज, 4 बोंगाईगांव और एक-एक दीमा हसाओ और धुबरी जिले में मिले हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से 45 लोगों को सफलतापूर्वक उनके मूल देश वापस भेजा गया, जबकि नौ लोगों को करीमगंज में गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा राज्य के ऊपरी असम और उत्तरी असम जिलों में संदिग्ध गैर-भारतीय नागरिकों और विदेशी मूल के व्यक्तियों की रिपोर्ट मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे व्यक्तियों का पता लगाना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि असम पुलिस को अवैध प्रवासियों की आवाजाही पर अंकुश लगाने, साथ ही उनका पता लगाकर वापस भेजने के लिए कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इससे पहले असम पुलिस ने सोमवार को बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ के एक और प्रयास को नाकाम कर दिया था। सुरक्षाकर्मियों ने पड़ोसी देश के दो लोगों को गिरफ्तार कर वापस भेज दिया था। दोनों लोगों की पहचान शहादत हुसैन और प्रियंका के रूप में हुई है। उनकी गिरफ्तारी भारत-बांग्लादेश सीमा पर करीमगंज जिले से हुई थी।

सट्टेबाजी के आरोप में 12 व्यक्ति गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पलटन बाजार पुलिस ने सट्टेबाजी के आरोप में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि पलटन बाजार पुलिस थाने की एक सीजीपीडी टीम ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के एक रैकेट का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने सट्टेबाजों को उस समय पकड़ा जब वे नेहरू स्टेडियम में चल रहे टी20 असम कप क्रिकेट में सक्रिय रूप से ऑनलाइन जुआ खेलते पाए गए। गिरफ्तार सट्टेबाजों की पहचान नवनीत मिश्रा (27, प्रतापगढ़, यूपी), अमन रजक (22, जबलपुर, मप्र), अंकुश राणा (21, वसंतकुंज, दिल्ली), अरबिन सिंह (24, लखनऊ, यूपी), रुबी गुप्ता (25, मालीगांव, गुवाहाटी, असम), नीरज मिश्रा (36, प्रतापगढ़, यूपी), शिवम कक्कड़ (22, रोहिणी, दिल्ली), देबप्रसाद भोई (29, मधुपटना, ओडिशा), महबूब आलम (27, जामताड़ा, झारखंड), मोनजूर अहमद (18, गीतानगर, गुवाहाटी, असम), रशीद अहमद (32, कामपुर, नगांव, असम) और नूर नबी (30, कोयाकुची, बरपेटा, असम) के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

महिला ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के गोरचुक थाना क्षेत्र इलाके में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की एक टीम ने अभियान चलाकर एक महिला ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने आज बताया कि सुबह थाना क्षेत्र के बेतकुची इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान एक महिला तस्कर को ड्रग्स समेत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान निलामति बोरो उर्फ रीता बोरो (42, गोरचुक) के रूप में की गई है। गिरफ्तार महिला तस्कर के पास से 21 प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर में भर कर रखे गए 29.6 ग्राम हेरोइन, एक मोबाइल फोन और नगद 7,235 रुपए जब्त किए गए। गिरफ्तार महिला तस्कर को एसटीएफ ने आगे की पूछताछ के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

एडीआरई के चलते 15 को जिले के सभी दैनिक एवं साप्ताहिक बाजार रहेंगे बंद

कोकराझाड़ (हिंस)। असम डायरेक्ट भर्ती परीक्षा (एडीआरई) 15 सितंबर को कोकराझाड़ जिले में आयोजित की जाएगी, जिसमें लगभग 70 हजार उम्मीदवारों के शामिल होने की उम्मीद है। परीक्षा के सुचारू संचालन और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। जिला मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार द्विवेदी ने परीक्षा के दिन जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए धारा 163 बीएनएसएस के तहत निषेधाज्ञा जारी की है। इसका उद्देश्य जिले में किसी भी प्रकार की शांति भंग या अव्यवस्था को रोकना है। इस आदेश के तहत, कोकराझाड़ जिले के सभी दैनिक बाजार और साप्ताहिक हाट बाजार 15 सितंबर को बंद रहेंगे। प्रशासन ने एहतियाती कदम इसलिए उठाया है ताकि, परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा न हो और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखी जा सके। परीक्षा प्रक्रिया के निर्बाध संचालन की तात्कालिकता को देखते हुए यह आदेश एकपक्षीय रूप से जारी किया गया है।

अरुणाचल में दो साल में 12,500 मेगावाट की पनबिजली इकाइयां शुरू होंगी : उप मुख्यमंत्री

ईटानगर। लोअर दिबांग घाटी जिले के रोइंग में सोलुंग महोत्सव समारोह में मंगलवार को उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का काम एनएचपीसी, एनईईपीसीओ, टीएचडीसी और एसजेवीएन सहित सीपीएसयू द्वारा किया जाएगा। अरुणाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री चौना मेन ने कहा कि राज्य में 12,500 मेगावाट की संयुक्त स्थापित क्षमता वाली पनबिजली परियोजनाएं अगले दो वर्षों में शुरू हो जाएंगी। बुधवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। लोअर दिबांग घाटी जिले के रोइंग में सोलुंग महोत्सव समारोह में मंगलवार को उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का काम एनएचपीसी, एनईईपीसीओ, टीएचडीसी और एसजेवीएन सहित सीपीएसयू द्वारा किया जाएगा। आधिकारिक विज्ञप्ति में मेन के हवाले से कहा गया, ऐसी पांच परियोजनाएं अगले साल शुरू होंगी, जबकि 2026 और 2027 में तीन-तीन परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इनसे राज्य के साथ-साथ देश की बिजली की जरूरतें पूरी होंगी और राज्य में आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि बड़े बांधों से राज्य को कई लाभ होंगे क्योंकि ये सभी बहुउद्देशीय परियोजनाएं हैं। इन परियोजनाओं से राज्य में पर्यटन बढ़ेगा और रोजगार सृजन भी होगा।

हयग्रीव माधव मंदिर से हुई घंटों की चोरी

कामरूप (हिंस)। हाजो स्थित प्राचीन हयग्रीव माधव मंदिर परिसर में टंगे दो बड़े-बड़े घंटे चोर चुरा ले गए। राज्य में धर्मस्थलों पर चोरी की घटनाएं लगातार हो रही हैं, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। मंदिर प्रबंधन ने आशंका जताई है कि चोरी करने वाले ड्रग्स सेवन करने वाले रहे होंगे। कुछ दिन पहले भी यहां पुजारी के आवास पर चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। ज्ञात हो कि हयग्रीव माधव मंदिर के आसपास मादक पदार्थों का सेवन तथा इसकी तस्करी सरेआम हुआ करती है। मंदिर प्रबंधन ने नशा तस्करों और नशा करने वालों को पकड़ने की मांग की है।

कोकराझाड़ में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 को

कोकराझाड़ (हिंस)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) आगामी 14 सितंबर को सुबह 10 बजे से कोकराझाड़ जिला न्यायालय परिसर और गोसाईगांव उप-मंडलीय न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन करेगा। लोक अदालत में भारतीय बैंक, असम ग्रामीण विकास बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, एपीडीसीएल, बीएसएनएल सहित अन्य संस्थानों से संबंधित पूर्व-विवाद मामलों को निपटाने के लिए लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जिले की विभिन्न अदालतों में लंबित कई मामलों को उठाया जाएगा, जिनमें मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) के मामले, परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई) के मामले, वैवाहिक विवाद, दीवानी मामले, आपराधिक मिलाने योग्य मामले और मोटर वाहन (एमवी) के मामले शामिल हैं। कोकराझाड़ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सभी संबंधित पक्षों और वादियों से इस प्रयास में सक्रिय रूप से भाग लेने और अपने विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान करने का आह्वान किया है।

प्रथम वाहिनी एसएसबी ने मनाया विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह

गुवाहाटी (हिंस)। हर बार की तरह इस बार भी प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सोनापुर के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में यूनिट अस्पताल सोनापुर में आज विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह (09 से 15 सितंबर) मनाया गया। इसका विषय *आत्महत्या पर कहानी बदलना* है, जिसमें कार्रवाई का आह्वान *बातचीत शुरू करना* है। इसके अलावा, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता बैठक भी आयोजित की गई। बैठक का आयोजन कामरूप (मेट्रो) जिला अस्पताल सोनापुर के मनोचिकित्सा विभाग के सहयोग से किया गया। क्लिनिकल मनोवैज्ञानिक रूपाली बर्मन और सोनापुर जिला अस्पताल (मनोचिकित्सा विभाग) के मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता हेमंगा ठाकुरिया कार्यक्रम के अतिथि वक्ता थे। उन्होंने आत्महत्या को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अलावा सभी को वर्ष के हर दिन आत्महत्या को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।

सत्य धर्म आत्म साक्षात्कार का साधन : प्रमुख सागर

गुवाहाटी। फैंसी बाजार के भगवान महावीर धर्म स्थल में पर्युषण पर्व के अवसर पर आज सत्य धर्म की आराधना अत्यंत भक्ति भाव पूर्वक की गई। प्रतिदिन के भांति आज भी दस लक्षण मंडल विधान एवं सोलहकारण मंडल विधान की पूजन संपादित की गई। इसके पूर्व सामूहिक शांतिधारा के अंतर्गत विश्व व देश मे शांति स्थापना की प्रार्थना की गई। तत्पश्चात सत्य धर्म की आराधना करते हुए ब्र. रितु दीदी ने कहा कि सत्य आत्मा का धर्म है और आत्मा साक्षात्कार का साधन है तथा आत्मानुभूति का विषय है। दीदी ने कहा कि सत्य धर्म, सत्य वचन में ही सीमित नहीं है। सत्य वचन तो आंशिक धर्म है, और सत्य धर्म तो आत्मा का अनुभव है। आज प्रातः रितु दीदी व पिंकी दीदी के सानिध्य मे सामूहिक शांतिधारा, नित्य नियम पूजन भक्ति भाव पूर्वक संपन्न की गई। प्रचार प्रचार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि बुधवार को पुष्पदंत भगवान के मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष में श्रीजी के चरणों में लाडु चढाने का सौभाग्य महेंद्र कु.- विकास कु. काला (परिवार) खारुपेटिया, व नेमीचंद- चंद्रकला देवी छाबड़ा (परिवार) एवं महेंद्र कुमार, कनव, संजित छाबड़ा (परिवार) तथा चंपालाल, जय कु., विजय कु., हंसराज रारा (परिवार) आदि सौभाग्य जनों को प्राप्त हुआ। प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी एवं सहसंयोजक जय कुमार छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कवि नीलमणि फूकन की 91 वीं जन्म जयंती *नतूनर दिन* के हिसाब से मनाया गया

होजाई (निसं)। होजाई स्थित रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के असमिया विभाग द्वारा मंगलवार को दोपहर में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कवि नीलमणि फूकन की 91 वीं जन्म जयंती *नतूनर दिन* के हिसाब से मनाया गया। विभाग के सह अध्यापक देवराज मिली की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में उनके द्वारा इस विशेष कार्यक्रम *कथा और कविता नतूनर दिन* पर उद्देश्य की व्याख्या की। कार्यक्रम का संचालन असमिया विभाग की प्रधान डॉ. बिना सैकिया ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ की दीप प्रज्वलित व कवि फूकन के प्रतिछवि पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। इसके बाद डॉ. सैकिया ने कवि फूकन की कविता, भाषा, व्यवस्थित प्रतीक चित्रकल्प और कविता दर्शन के संदर्भ में छात्र-छात्राओं को अवगत

करवाया। वहीं सह-अध्यापक देवराज मिली ने कवि फूकन के विशाल व्यक्तित्व, सरल स्वभाव। उनकी कविता की गंभीरता, गहन विचार और उनके काव्या आदि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा की कैसे आज के समय के बहुत सारे प्रतिष्ठित और उदयमान कवि नीलमणि फुकान की चिंता भावना और दर्शन के द्वारा प्रभावित हुए हैं। इसके बाद विभाग की सह अध्यापिका मनीषा सैकिया ने इस विशेष दिन पर अपना संबोधन रखा। वहीं विभाग के अध्यापिका डॉ. मल्लिका डेका, पल्लवी कथर, अतिथि अध्यापक सनातन माराक, मृदुस्मिता सैकिया और वंदिता पाटेर ने कवि फुकान की कविता का पाठ किया। साथही कई छात्र-छात्राओं ने भी उनकी कविता का पाठ किया। कार्यक्रम का समापन असम के जातीय संगीत *ओ मूर अपूनार देश* के परिवेशन के साथ हुआ।

संपादकीय

पैरा खिलाड़ी भी महानायक

पेरिस पैरालंपिक खेल महाकुंभ, 2024 भी सम्पन्न हुआ, लेकिन भारत के लिए यादगार बन गया। भारतीय पैरा खिलाडियों ने कीर्तिमानों, उपलब्धियों और पदकों के 'अभूतपूर्व अध्याय' रच दिए। 2020 के टोक्यो पैरालंपिक में भारत ने 5 स्वर्ण पदक समेत कुल 19 पदक हासिल किए थे, लेकिन इस बार 10 अधिक पदक जीते हैं। ये खिलाड़ी सामान्य प्राणी नहीं हैं। वे दिव्यांग हैं, आधे-अधूरे और असहाय हैं, लेकिन उनके भीतर करिश्मों वाला कोई फरिश्ता मौजूद है। विकलांग होने के बावजूद उन्होंने दिव्यता के साथ सफलताएं अर्जित की हैं, नतीजतन भारत पहली बार 20 शीर्ष देशों की जमात में शामिल हुआ है। पेरिस पैरालंपिक में भारत 7 स्वर्ण, 9 रजत, 13 कांस्य पदक, यानी कुल 29 पदक जीत कर 18वें स्थान पर रहा है। चुनौतियां और मुकाबले पैरा खिलाडियों के लिए भी उतने ही कांटेदार थे, जितने सामान्य अंगी, सशक्त, मजबूत ओलंपिक खिलाडियों के लिए थे, लेकिन ओलंपिक में झोली 'स्वर्णहीन' रही, एक रजत और 5 कांस्य, यानी कुल 6 पदक ही हम जीत सके और 71वें स्थान पर रहे। हमने उस प्रदर्शन का भी अभिनंदन किया और देश भर में खिलाडियों के सम्मान किए गए। करोड़ों के इनाम घोषित किए गए। भारत ने अपने खिलाडियों को सिर-आंखों पर बिठाना सीख लिया है। हालांकि सफलता, उपलब्धियों और राष्ट्रीय सम्मान की आपसी तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन पैरालंपिक में निशानेबाज अवनी लेखरा और भाला फेंक में सुमित अंतिल की दोहरी स्वर्णिम उपलब्धि को नजरअंदाज कैसे किया जा सकता है? दोनों टोक्यो पैरालंपिक के चैम्पियन थे और इस बार भी चैम्पियन बने हैं। सुमित ने 70.59 मीटर की दूरी तक भाला फेंक कर विश्व रिकॉर्ड भी कायम किया है। वह नीरज चोपड़ा का ही संस्करण लगता है। इसी श्रेणी में तीरंदाजी में हरविन्दर सिंह, बैडमिंटन में नितेश कुमार, ऊंची कूद में प्रवीण कुमार, क्लब थ्रो में धर्मबीर और छोटे कद वाले, भाला फेंक खिलाड़ी नवदीप सिंह ने स्वर्णिम सफलताएं हासिल कर सोचने को बाध्य कर दिया है कि ये दिव्यांग खिलाड़ी देश के 'महानायक' क्यों नहीं हैं? वे भी 'तिरंगाधारक' और 'जन गन मन..' की वैश्विक गूंज हैं। वे ओलंपिक पदकवीरों की तरह लोकप्रिय और राष्ट्रीय सम्मान के पात्र क्यों नहीं हैं? उनकी सार्वजनिक पहचान ऐसी क्यों नहीं है कि उन्हें भी 'कौन बनेगा करोड़पति' जैसे लोकप्रिय मंचों पर आमंत्रित कर सम्मानित किया जाए? कमोबेश देश देखे कि किन योद्धाओं ने विकलांगता से लड़ कर अंतरराष्ट्रीय गौरव हासिल किया है और भारत के मस्तक पर तिलक किया है! भारत दिव्यांग-मैत्री वाला देश नहीं है। यहां के सार्वजनिक जीवन में दिव्यांगों की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचा बहुत कम है। 'दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार वाला कानून' 2016 में पारित किया जा चुका है। उसमें विशेष प्रावधान था कि पांच वर्षों में सार्वजनिक स्थलों को दिव्यांग-मित्र बनाया जाए, लेकिन इसका क्रियान्वयन संतुष्टि से कोसों दूर है। केंद्र सरकार ने बजट भी कम कर दिया है। हैरत है कि निजी भवन और परिवहन प्रणाली, महानगरों और मेट्रों शहरों में भी, इस कानून को मानने को तैयार नहीं है। पैरा खिलाडियों ने इस व्यवस्था को भी सबक सिखाने का काम किया है। 2016 में हमने पैरालंपिक खेलों में शिरकत करना शुरू किया था। उससे पहले 2012 के लंदन और 2016 के रियो ओलंपिक खेलों में भारत को क्रमशः मात्र एक पदक और 3 पदक ही नसीब हुए थे। अत्यंत निराशापूर्ण और अपमानजनक दौर था। 2016 में पैरालंपिक में हमने 2 स्वर्ण समेत 4 पदक जीते थे, लिहाजा उम्मीद की किरण दिखाई दी, तो पहली बार प्रधानमंत्री मोदी ने पैरा खिलाडियों को अपने आवास पर आमंत्रित किया और मुलाकात कर बहुत कुछ समझने की कोशिश की। देश में विश्व स्तरीय पैरा खिलाडियों की चैम्पियनशिप शुरू कराई गई। नई प्रतिभाएं सामने आईं। नए प्रशिक्षक भी ट्रेंड किए गए। पैरा खिलाडियों के मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण पर भी खासा ध्यान दिया जाने लगा। कई तरह के सहयोग दिए जाने लगे। बुनियादी ढांचा भी काफी बेहतर हुआ है।

> भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने कीर्तिमानों, उपलब्धियों और पदकों के 'अभूतपूर्व अध्याय' रच दिए। 2020 के टोक्यो पैरालंपिक में भारत ने 5 स्वर्ण पदक समेत कुल 19 पदक हासिल किए थे, लेकिन इस बार 10 अधिक पदक जीते हैं। ये खिलाड़ी सामान्य प्राणी नहीं हैं। वे दिव्यांग हैं, आधे-अधूरे और असहाय हैं, लेकिन उनके भीतर करिश्मों वाला कोई फरिश्ता मौजूद है। विकलांग होने के बावजूद उन्होंने दिव्यता के साथ सफलताएं अर्जित की हैं, नतीजतन भारत पहली बार 20 शीर्ष देशों की जमात में शामिल हुआ है। पेरिस पैरालंपिक में भारत 7 स्वर्ण, 9 रजत, 13 कांस्य पदक, यानी कुल 29 पदक जीत कर 18वें स्थान पर रहा है। चुनौतियां और मुकाबले पैरा खिलाड़ियों के लिए भी उतने ही कांटेदार थे, जितने सामान्य अंगी, सशक्त, मजबूत ओलंपिक खिलाड़ियों के लिए थे, लेकिन ओलंपिक में झोली 'स्वर्णहीन' रही, एक रजत और 5 कांस्य, यानी कुल 6 पदक ही हम जीत सके और 71वें स्थान पर रहे।

अमेरिकी प्रेस ने विवेकानंद को उस धर्म संसद की महानतम विभूति बताया था

स्वामी विवेकानंद जिनमें सब कुछ सकारात्मक है नेगेटिव कुछ भी नहीं

डॉ. पवन सिंह

> नरेंद्र नाथ दत्त, जिन्हें पूरा विश्व विवेकानंद के नाम से याद करता है। 11/9 क्यों याद किया जाना चाहिए, क्योंकि उस दिन भारत के एक युवा सन्यासी ने पश्चिम के सूट-बूट वालों को बौना साबित किया था। क्योंकि उस दिन सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर स्थापित किया गया था। सितंबर 11 को न्यूयार्क के लिए नहीं, शिकागो के लिए याद किया जाना चाहिए। विध्वंस के लिए नहीं विश्व शांति के लिए याद किया जाना चाहिए। आतंकवाद के लिए नहीं, सनातन संवाद के लिए याद किया जाना चाहिए ।लादेन के लिए नहीं, नरेंद्र के लिए याद किया जाना चाहिए। शब्दों के जादूगर : विवेकानंद के संवाद का ये जादू शब्दों के पीछे छिपी चिर –पुरातन भारतीय संस्कृति, सभ्यता, अध्यातम व उस युवा के त्यागमय जीवन का था। जो शिकागो से निकला व पूरे विश्व में छा गया।

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ व्याख्यानों में से एक, स्वामी विवेकानंद जी के भाषण की तारीख 11 सितंबर। क्या था वो भाषण जिसने अमेरिका को नहीं पूरे पश्चिम को भारत का मुरीद बना दिया। नरेंद्र नाथ दत्त, जिन्हें पूरा विश्व विवेकानंद के नाम से याद करता है। 11/9 क्यों याद किया जाना चाहिए, क्योंकि उस दिन भारत के एक युवा सन्यासी ने पश्चिम के सूट-बूट वालों को बौना साबित किया था। क्योंकि उस दिन सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर स्थापित किया गया था। सितंबर 11 को न्यूयार्क के लिए नहीं, शिकागो के लिए याद किया जाना चाहिए। विध्वंस के लिए नहीं विश्व शांति के लिए याद किया जाना चाहिए। आतंकवाद के लिए नहीं, सनातन संवाद के लिए याद किया जाना चाहिए ।लादेन के लिए नहीं, नरेंद्र के लिए याद किया जाना चाहिए। शब्दों के जादूगरः विवेकानंद के संवाद का ये जादू शब्दों के पीछे छिपी चिर –पुरातन भारतीय संस्कृति, सभ्यता, अध्यातम व उस युवा के त्यागमय जीवन का था। जो शिकागो से निकला व पूरे विश्व में छा गया। उस भाषण को आज भी दुनिया भुला नहीं पाती। इस भाषण से दुनिया के तमाम पंथ आज भी सबक ले सकते हैं। इस अकेली घटना ने पश्चिम में भारत की एक ऐसी छवि बना दी, जो आजादी से पहले और इसके बाद सैकड़ों राजदूत मिलकर भी नहीं बना सके। स्वामी विवेकाननंद के इस भाषण के बाद भारत को एक अनोखी संस्कृति के देश के रूप में देखा जाने लगा। अमेरिकी प्रेस ने विवेकानंद को उस धर्म संसद की महानतम विभूति बताया था। और स्वामी विवेकानंद के बारे में लिखा था, उन्हें सुनने के बाद हमें महसूस हो रहा है कि भारत जैसे एक प्रबुद्ध राष्ट्र में मिशनरियों को भेजकर हम कितनी बड़ी मूर्खता कर रहे थे। यह ऐसे समय हुआ, जब ब्रिटिश शासकों और ईसाई मिशनरियों का एक वर्ग भारत की अवमानना और पाश्चात्य संस्कृति की श्रेष्ठता साबित करने में लगा हुआ था।

चिर पुरातन नित्य नूतन के वाहकः अतीत को पढ़ो, वर्तमान को गढ़ो और आगे बढ़ो यही विवेकानंद जी का मूल संदेश रहा। जो समाज अपने इतिहास एवं वांग्मय की मूल्यवान चीजों को नष्ट कर देता है, वह निष्प्राण हो जाते हैं और यह भी सत्य है कि जो समाज इतिहास में ही डूबे रहते हैं, वह भी निष्प्राण हो जाते हैं। वर्तमान समय में तर्क और तथ्य के बिना किसी भी बात को सिर्फ आस्था के नाम पर आज की पीढ़ी के गले नहीं उतारा जा सकता।

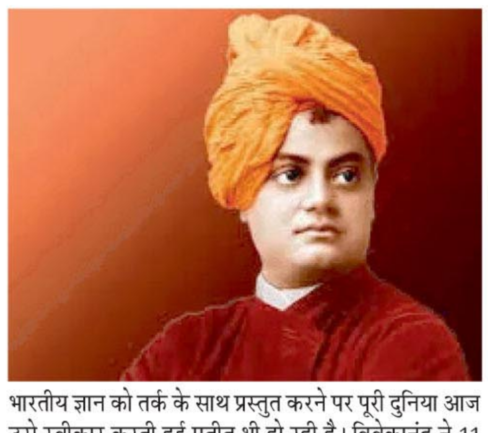

भारतीय ज्ञान को तर्क के साथ प्रस्तुत करने पर पूरी दुनिया आज उसे स्वीकार करती हुई प्रतीत भी हो रही है। विवेकानंद ने 11 सितंबर 1893 शिकागो भाषण में इस बात को चरितार्थ भी करके दिखाया था। जहां मंच पर संसार की सभी जातियों के बड़े – बड़े विद्वान उपस्थित थे। डॉ. बरोज के आह्वान पर 30 वर्ष के तेजस्वी युवा का मंच पर पहुंचना। भाषण के प्रथम चार शब्द 'अमेरिकावासी भाइयों तथा बहनों' इन शब्दों को सुनते ही जैसे सभा में उत्साह का तूफान आ गया और 2 मिनट तक 7 हजार लोग उनके लिए खड़े होकर तालियाँ बजाते रहे। पूरा सभागार करतल ध्वनि से गुंजायमान हो गया।

युवा दिलों की धड़कनः- उम्र महज 39 वर्ष, अपनी मेधा से विश्व को जीतने वाले, युवाओं को अंदर तक झकझोर कर रख देने वाले, अपनी संस्कृति व गौरव का अभिमान विश्व पटल पर स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानंद जिनमें सब कुछ सकारात्मक है नेगेटिव कुछ भी नहीं। कल्पना कीजिए विवेकानंद के रुप में उस एक नौजवान की। गुलामी की छाया न जिसके विचार में थी, न व्यवहार में थी और न वाणी में थी। भारत माँ की जागृत अवस्था को जिसने अपने भीतर पाया था। ऐसा एक महापुरुष जो पल- दो पल में विश्व को अपना बना लेता है। जो पूरे विश्व को अपने अंदर समाहित कर लेता है। जो विश्व को अपनत्व की पहचान दिलाता है और जीत लेता है। वेद से विवेकानंद तक, उपनिषद से उपग्रह तक हम इसी परंपरा में पले बढ़े हैं। उस परंपरा को बार-बार स्मरण करते हुए, सँजोते हुए भारत को एकता के सूत्र में बांधने के लिए सद्भावना के सेतु को जितना बल हम दे सकते हैं, उसे देते रहना होगा।

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनीः विवेकानंद के जीवन को पढ़ने से ही रोंगटे खड़े हो जाते है। कैसे एक बालक विवेकानंद, योद्धा सन्यासी विवेकानंद के रुप में पूरे विश्व की प्रेरणा बन गया। स्वामी विवेकानंद का सम्पूर्ण जीवन बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व का धनी रहा है। हमारे आज के जो सरोकार हैं, जैसे शिक्षा, भारतीय संस्कृति का सही रूप, व्यापक समाज सुधार, महिलाओं का उत्थान, दलित और पिछड़ों की उन्नति, विकास के लिए विज्ञान की आवश्यकता, सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों की आवश्यकता, युवकों के दायित्व, आत्मनिर्भरता, स्वदेशी का भाव, भारत का भविष्य आदि। भारत को अपने पूर्व गौरव को पुनः प्राप्त व स्थापित करने के लिए, समस्याओं के निदान के लिए स्वामी विवेकानंद के विचारों का अवगाहन करना होगा।

भारत बोध की प्रेरणाः दुनिया में लाखों-करोड़ों लोग उनके विचारों से प्रभावित हुए और आज भी उनसे प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं। सी राजगोपालाचारी के अनुसार "स्वामी विवेकानंद ने हिन्दू धर्म और भारत की रक्षा की"। सुभाष चन्द्र बोस के कहा "विवेकानंद आधुनिक भारत के निर्माता हैं"। महात्मा गाँधी मानते थे कि 'विवेकानंद ने उनके देशप्रेम को हजार गुना कर दिया । स्वामी विवेकानंद ने खुद को एक भारत के लिए कीमती और चमकता हीरा साबित किया है। उनके योगदान के लिए उन्हें युगों और पीढ़ियों तक याद किया जायेगा'। जवाहर लाल नेहरु ने 'डिस्कवरी ऑफ़ इंडिया' में लिखा है- "विवेकानंद दबे हुए और उत्साहहीन हिन्दू मानस में एक टॉनिक बनकर आये और उसके भूतकाल में से उसे आत्मसम्मान व अपनी जड़ों का बोध कराया"। कुल मिलाकर यदि यह कहा जाए कि स्वामी विवेकानंद आधुनिक भारत के निर्माता थे, तो उसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। यह इसलिए कि स्वामीजी ने भारतीय स्वतंत्रता हेतु भारतवासियों के मनों में एक स्वाभिमान का माहौल निर्माण किया। आज के समय में विवेकानंद के मानवतावाद के रास्ते पर चलकर ही भारत एवं विश्व का कल्याण हो सकता है। वे बराबर युवाओं से कहा करते थे कि हमें ऐसे युवकों और युवतियों की जरूरत है जिनके अंदर ब्राह्मणों का तेज तथा क्षत्रियों का वीर्य हो।

दृष्टि कोण

यौन शोषण-अपराध की गिरफ्त में मौलिवुड

मलयालम फिल्म उद्योग में यौन उत्पीडन के मामले अब भी थम नहीं रहे हैं। शोषण, अत्याचार के अनेक सनसनीखेज मामलों के सार्वजनिक होने से केरल की फिल्म इंडस्ट्री में भूचाल सा आ गया है। मौलिवुड में मलयाली के एक और अभिनेता जयसूर्या के विरुद्ध एक अभिनेत्री ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। इससे पूर्व मशहूर एक्टर सिद्दीकी को हाल में एक हीरोइन के साथ दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पहला मामला फिल्म निर्देशक रंजीत का आया जिसमें बंगाल की एक्ट्रेस ने उन पर दुष्कर्म का आरोप लगाया। उपरोक्त सभी मामलों में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला इतना गंभीर है कि सिद्दीकी को एसोसिएसन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स के महासचिव पद से हाथ धोना पड़ गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए ऐसे सभी मामलों की जांच अब एसआईटी को सौंप दी गई है। जस्टिस के. हेमा कमेटी रिपोर्ट को केरल की एलडीएफ सरकार ने जारी किया जिसमें महिला अभिनेत्रियों के साथ हो रहे अत्याचार का ब्योरेवार वर्णन है। रिपोर्ट में साफ शब्दों में जिक्र है कि केरल फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं का काम करने का उचित माहौल नहीं है। वर्ष 2017 में गठित कमेटी ने 2019 को राज्य सरकार को रिपोर्ट सौंपी, किन्तु अगस्त 2024 में राज्य सरकार ने इसे सार्वजनिक किया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि विजयन सरकार फिल्म इंडस्ट्री और सेक्स रैकेट माफिया के चंगुल में है। एफआईआर तो शोर को कम करने के लिए है। दागियों को जिस तरह सरकार बचा रही है, यह शर्मनाक है। रिपोर्ट में साफ-साफ उल्लेख है कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ यौन शोषण के अतिरिक्त शारीरिक उत्पीडन भी किया जाता है। उसी को एक्ट्रेस के रूप में मौका दिया जाता है जो शारीरिक सम्बन्ध बनाने को तैयार हो। उसे बहुत कम धन राशि दी जाती है। इनकार करने पर स्थापित एक्ट्रेस को जान से मारने की धमकी के साथ ब्लेकमेलिंग भी की जाती है। इसके उलट जो 'सहयोग' करने से इनकार करती है, उसे कभी अवसर नहीं दिया जाता। अश्लीलता को फिल्मों में खूब परोसा जा रहा है और उस आड़ में सेक्स रैकेट के साथ ड्रग्स का हजारों करोड़ का धंधा फल-फूल रहा है। अभिनेत्रियों से कम कपड़े और अश्लील हरकतों को शूटिंग में करने को कहा जाता है। सफल तारिका की अब यही पहचान बन गई है। आयोग की आंतरिक शिकायत समिति ने साफ शब्दों में कहा है कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं को कार्य नहीं करना चाहिए। आयोग ने चिंता जाहिर की है कि ऐसे अपराधों की थानों में प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा रही है और बहुत दबाव में शिकायत दर्ज कर ली गई तो गिरफ्तारी कभी होती नहीं है। फिल्म इंडस्ट्री की आड़ में सरकार की शह पर घिनौने धंधे चल रहे हैं। बढ़ती किरकिरी के कारण एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट के अध्यक्ष और मशहूर अभिनेता मोहन लाल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि उनका कार्यकाल 2027 तक था। जगदीश और आर. जयन सहित कई पदाधिकारियों को लोक लाज के कारण इस्तीफा देना पड़ा। विशेष जांच टीम के राडार पर कई नामचीन फिल्मी हस्तियों के अतिरिक्त सत्तारूढ़ दल के पदाधिकारी भी शामिल हैं। ऐसे में 'मैनेज' के चक्कर में गिरफ्तारी की हरी झंडी न मिलना लोकतंत्र को शर्मसार कर रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अफसर ने कहा कि किसी का कुछ नहीं बिगड़ेगा। यह जांच दल रिपोर्ट केवल भरमाने का तरीका है। जनरोष को मद्देनजर रखते हुए भाजपा और कांग्रेस ने माकपा विधायक सह अभिनेता एम. मुकेश के इस्तीफे की मांग की है। विदित है कि 17 फरवरी 2017 को कोच्चि में एक सुप्रसिद्ध नायिका का पहले अपहरण हुआ, फिर चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म हुआ। पीड़िता की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद मुख्यमंत्री पिनार्याई विजयन ने केरल हाईकोर्ट की सेवानिवृत जज के. हेमा की अध्यक्षता में कमेटी का गठन कर दिया। रिपोर्ट तो आ गई, किन्तु दोषी कौन? सजा किस-किस को मिलेगी, इत्यादि प्रश्न तो अनुत्तरित हैं। सात वर्षों बाद आई रिपोर्ट भी लगता है मामले को शांत करने और लीपापोती के लिए है। तभी तो फिल्म इंडस्ट्री पोर्न इंडस्ट्री के रूप में तब्दील हो गया। सरकार के कई मंत्री-विधायक इस काले धंधे में संलिप्त हैं, इसलिए यह रिपोर्ट शोपीस बन कर रह गई। आश्चर्यजनक तथ्य है कि 31 दिसंबर 2019 को कमेटी ने सरकार को रिपोर्ट सौंपी, किन्तु इसे लगभग पांच वर्षों तक जानबूझ कर रोके रखा। इसे जारी कराने के लिए जब सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई तो संस्कृति विभाग ने गोपनीयता का हनन होना बताकर देने से इनकार कार दिया। हाईकोर्ट में भी याचिकाओं के जरिये रोकने का प्रयास किया गया। अंततः राज्य सूचना आयोग के हस्तक्षेप और कोर्ट के आदेश के बाद रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जा सका। कास्टिंग काउच साफ-साफ दिखता है।

कुछ अलग

ऑडिट पैरा

अक्सर मंत्रालयों का काम होता है कि अपनी समस्याओं की फुटबॉल को सेफ किक के ज़रिए क्षेत्रीय कार्यालयों के आंगन में डाल देना। बेचारे क्षेत्रीय कार्यालयों के पास गले पड़े इन ढोलों को बजाने के अलावा कोई चारा नहीं होता। अक्सर मंत्रालय इतने ढीठ होते हैं कि जिन कार्यों को उन्होंने स्वयं निपटाया होता है, उनका ऑडिट पैरा उठने पर भी वे उनके निपटान के लिए फुटबॉल फील्ड या क्षेत्रीय कार्यालयों के किचन में उछाल देते हैं। वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान दिल्ली में एक मंत्रालय ने चैम्बर ऑव इण्डियन इंडस्ट्री के सहयोग से प्रवासी भारतीय दिवस मनाया। ज़ाहिर हैं जब प्रवासी भारतीय देश आए हों तो उनके स्वागत में कोई कमी कैसे रह सकती थी। मंत्रालय ने उनका स्वागत पान पराग से किया या नहीं, इसका तो पता नहीं, पर विज्ञापन और प्रसार शीर्ष के तहत उनके लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा लंच और डिनर का आयोजन किया गया। आयोजन के प्रस्तावित व्यय में 1500 आदमियों के भाग लेने की संभावना थी। पर मंत्रालय को जो फाइनल बिल आया था, उसमें केवल 1025 लोगों के भाग लेने की पुष्टि थी। प्रतिभागियों की संख्या में भारी अन्तर होने के बावजूद प्रस्तावित व्यय और अन्तिम बिल में कोई अन्तर न था। ऐसे में इस पैरे को ऑडिट में उठने से कौन रोक सकता था। इसे केवल मंत्रालय द्वारा ऑडिट के दौरान ऑडिट कर्मियों के सही सत्कार से ही रोका जा सकता था, जिसमें कोताही होने पर एक दशक बीत जाने के बाद भी यह ऑडिट पैरा अमर बेल की तरह भारतीय नौकरशाही के जंगल में सिर उठाए खड़ा था। समय बीतने के साथ मंत्रालय को लगा कि विज्ञापन और प्रसार शीर्ष को देश के एक कोने में स्थापित क्षेत्रीय कार्यालय स्थानातंरित कर देना चाहिए। लिहाज़ा साल 2018-19 के दौरान विज्ञापन और प्रसार शीर्ष को क्षेत्रीय कार्यालय में फैंक दिया गया। लेकिन आज भी मंत्रालय को जब किसी आयोजन के लिए इस शीर्ष के तहत धन की आवश्यक्ता होती है, तो वह प्रस्ताव को क्षेत्रीय कार्यालय में भेज देता है। ख़र्चा मंत्रालय करता है, लेकिन क्षेत्रीय कार्यालय न केवल फंड जारी करता है, बल्कि उसका हिसाब-किताब भी रखता है। मंत्रालय अपने इस क़दम की सफलता से प्रोत्साहित होकर इसी तरह की कई अन्य योजनाएं क्षेत्रीय कार्यालय में स्थानातंरित कर चुका है। कुल मिलाकर मंत्रालय के पास अब मंत्री की सेवा के अलावा क्षेत्रीय कार्यालय को हडक़ाने का काम बाक़ी रह गया है। तेरह साल तक लटकने के बाद भी जब यह ऑडिट पैरा सैटल नहीं हुआ और एक दोपहर जब ऑडिट विभाग से पुनः इस आशय का पत्र प्राप्त हुआ तो मंत्रालय में इस गंभीर समस्या पर कान्फ्रेंस हॉल में सेक्रेटरी की अध्यक्षता में आयोजित मीटिंग में गंभीर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान हाई टी का मज़ा लेते हुए किसी ने सुझाया कि अब तो विज्ञापन और प्रसार शीर्ष मंत्रालय के पास नहीं, क्षेत्रीय कार्यालय के पास है। क्यों न इस ऑडिट पैरा को भी वहीं खिसका देना चाहिए। वही जवाब दे। इस पैरा को क्षेत्रीय कार्यालय में खिसकाने की इतनी जल्दी थी कि किसी ने भी नहीं सोचा कि जो आयोजन 2011 में दिल्ली में मंत्रालय ने करवाया था, उसका जवाब क्षेत्रीय कार्यालय क्यों दे। आनन-फानन में कवरिंग लैटर बना कर क्षेत्रीय कार्यालय को ई-मेल टिका दी गई। मंत्रालय से चि_ी आने पर क्षेत्रीय कार्यालय के कान खड़े होना स्वाभाविक था। मंत्रालय के सडियल कुत्ते को भी फील्ड या क्षेत्रीय कार्यालयों में बब्बर शेर की इज़्ज़त दी जाती है। क्षेत्रीय सचिव से लेकर नीचे तक सभी अधिकारी अलर्ट हो गए। सम्बन्धित सैक्टर हैड को ताक़ीद हुई कि तुरन्त इसका जवाब बनाया जाए। सैक्टर हैड पहले तो सकपकाया। भले मैदान अलग थे, लेकिन वह भी मंत्रालय के अधिकारियों की तरह मंझा हुआ कलाकार था।

देश दुनीया से

बेटियां देने में अब घबरा रहा भगवान

> महिलाओं के साथ बढ़ती हुई यौन उत्पीडन की घटनाओं पर भारतवर्ष के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दु :ख एवं चिंता प्रकट की है। इस गंभीर समस्या के हल के लिए राजनीतिज्ञों, कानूनविदों, धार्मिक गुरुओं, शिक्षाविदों और महिला संगठनों को इक_े बैठ कर रणनीति तैयार करने की आवश्यकता है ताकि महिलाओं के प्रति बढ़ते यौन उत्पीडन पर चारों तरफ से प्रहार किया जा सके। इसके लिए राजनीतिक इच्छा शक्ति बहुत ही आवश्यक है। हाल ही में महिलाओं पर हुए यौन उत्पीडन के मामलों से पता चलता है कि महिलाओं के प्रति पुरुषों की क्रूर भावना है, जिसने उनका जीवन दूभर कर दिया है।

भारत में हर दिन 90 बलात्कार की घटनाएं होती हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्षों के मुकाबले रेप के मामलों में 13.23 प्रतिशत वृद्धि हुई है। हाल ही में महिलाओं और बच्चियों के यौन उत्पीडन से निपटने के लिए कड़े कानून बनाए गए हैं, परंतु इसके बावजूद रेप और हत्याओं की रफ्तार तेजी पकड़ रही है। यह चिंता का विषय है। महिलाओं के साथ बढ़ती हुई यौन उत्पीडन की घटनाओं पर भारतवर्ष के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दुःख एवं चिंता प्रकट की है। इस गंभीर समस्या के हल के लिए राजनीतिज्ञों, कानूनविदों, धार्मिक गुरुओं, शिक्षाविदों और महिला संगठनों को इक_े बैठ कर रणनीति तैयार करने की आवश्यकता है ताकि महिलाओं के प्रति बढ़ते यौन उत्पीडन पर चारों तरफ से प्रहार किया जा सके। इसके लिए राजनीतिक इच्छा शक्ति बहुत ही आवश्यक है। हाल ही में महिलाओं पर हुए यौन उत्पीडन के मामलों से पता चलता है कि महिलाओं के प्रति पुरुषों की क्रूर भावना है, जिसने उनका जीवन दूभर कर दिया है। 29 अप्रैल 2024 को कर्नाटक के जनता दल (एस) सुप्रीमो एवं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के विधायक बेटे एचडी रेवन्ना व सांसद पौत्र प्रज्वल रेवन्ना के विरुद्ध उनकी घरेलू सहायिका ने यौन शोषण और ब्लैकमेल करने की शिकायत पुलिस में दर्ज करवाई। 22 मई 2024 को केरल पुलिस की अपराध शाखा ने पेरूंवेबूर के विधायक एवं कांग्रेस नेता एल्धोस कुन्नापल्ली तथा उनके 2 साथियों के विरुद्ध एक महिला के साथ कई बार बलात्कार और हत्या की कोशिश के आरोप में आरोपपत्र दाखिल किया। 09-08-2024 को कोलकाता में महिला डाक्टर की रेप के बाद हत्या कर दी गई जिसमें कोर्ट ने पुलिस की कारगुजारी पर अप्रसन्नता जताई। 17 अगस्त 2024 को मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) के एक अस्पताल के डाक्टर शाहनवाज ने एक नर्स को बंधक बनाकर उसके साथ बलात्कार कर डाला। 18 अगस्त 2024 को किश्तवाड़ में 15 वर्षीय नाबालिग से बलात्कार के विरुद्ध क्षेत्र में आक्रोश भडक़ उठा। 18 अगस्त 2024 को कृष्णगिरि (तमिलनाडू) जिले के एक प्राइवेट स्कूल में 13 छात्राओं के यौन शोषण का मामला सामने आने पर प्रिंसिपल समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया। 18 अगस्त 2024 को जोधपुर (राजस्थान) के एक मंदिर के बाहर बैठी 3 वर्षीय बच्ची को अज्ञात युवक ने अपनी हवस का शिकार बनाया। 16 अगस्त 2024 को जिला हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) के एक स्कूल में छात्रा ने एक शिक्षक पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए। 24 अगस्त 2024 को कोयंबटूर के एक स्कूल में सातवीं, आठवीं तथा नौवीं कक्षा की 9 छात्राओं के यौन शोषण के आरोप में नटराजन नामक एक अध्यापक को तथा स्कूल के हैडमास्टर और क्लास टीचर को गिरफ्तार किया गया। 22-8-24 को असम में 14 वर्षीय नाबालिग लडक़ी के साथ गैंगरेप हुआ। इस लडक़ी के साथ तीन लोगों ने रेप किया। 28-08-2024 को मलयालम फिल्मों के अभिनेता सिद्दीकी पर एक अभिनेत्री द्वारा यौन उत्पीडन के आरोप लगाए जाने के बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। 31-08-2024 को दिल्ली में 14 वर्षीय लडक़े ने 5 वर्षीय बच्ची का यौन उत्पीडन किया। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में 30 दिसंबर 2023 को सुनने और बोलने में अक्षम 17 वर्षीय लडक़ी के साथ 45 वर्षीय पड़ोसी ने दुष्कर्म किया। हाल ही में हिमाचल प्रदेश से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर जारी हुए आंकड़ों से भी कुछ हैरान कर देने वाले तथ्य सामने आए हैं जिसमें खुलासा हुआ कि दुराचारियों को न तो उम्र का ख्याल है, न रिश्तों का। दुराचारी खून के रिश्तों की लाज भी नहीं रख रहे हैं। इन आंकड़ों के अनुसार 2022 में प्रदेश में 359 मामलों में 99 प्रतिशत जान-पहचान के थे। 31 मामलों में दुराचारी खून के रिश्ते के थे। 103 मामलों में पारिवारिक मित्र, पड़ोसी और साथी कर्मचारियों ने महिलाओं की इज्जत पर हाथ डाला। 221 मामले ऑनलाइन दोस्ती और दोस्तों के थे। हिमाचल में 2022 में 6 साल से कम की 10 बच्चियों, 6 से 12 साल की 22, 12 से 16 साल की 95, 16 से 18 साल उम्र की 96, कुल 359 में से 223 नाबालिग थी। 18 साल से ऊपर 136 महिलाएं रेप की शिकार हुईं। एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के अनुसार देश में 151 वर्तमान सांसदों और विधायकों ने अपने चुनावी हल्फनामों में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों से संबंधित मामलों की जानकारी दी है। 25 सांसदों और विधायकों के साथ पश्चिम बंगाल शीर्ष पर है। भाजपा के सर्वाधिक 54 सांसदों और विधायकों पर महिलाओं से जुड़े मामले हैं। जब कोई राजनीतिक पार्टी किसी रेप के केस में सजा भुगत रहे अपराधी को पार्टी के लिए वोट या पार्टी की सहायता करने के लिए पैरोल पर बार-बार जेल से बाहर भेजती है या सजा को कम कर जेल से रिहा कर दिया जाता है तो यह राजनेता-अपराधी-पुलिस गठबंधन जनता में गलत संदेश देता है। इसी तरह गुजरात में भी बहुत से लोगों को जेलों से छोड़ दिया जो 2002 में रेप और मर्डर के केसों में संलिप्त थे।

आप का नजरीया

पर्यटन की दुकान

पर्यटन तेरे नाम अनेक, लेकिन तेरे आसरे एक बड़ी दुकान चल सकती है। पर्यटन हमेशा हिमाचल की नीतियों, बजट की रीतियों तथा व्यापार की खूबियों में रहा है। एक समय ऐसा था जब सारा दारोमदार हिमाचल पर्यटन विकास निगम के कंधों पर था और तब डाक बंगलों के निखार में कुछ सरकारी होटल आ गए अवतार में। इसी दौर में पड़ोसी हरियाणा की टूरिज्म डिवेलपमेंट कार्पोरेशन ने हाईवे टूरिज्म की सौगात से सारी सडक़ों को चिन्हित कर दिया। राजस्थान ने सांस्कृतिक व धरोहर पर्यटन को अपना नाम दे दिया। गुजरात अपनी ऋतुओं से आगे निकल कर इवेंट हो गया और इसी तरह केरल के बैक वाटर और कहीं उत्तराखंड व गुजरात के जंगलों में शेर-चीते सैलानियों को रिझाने लगे, लेकिन हम केवल पर्यटन को चारा डालते रहे। अगर कश्मीर अपनी दृश्यावलियों के भीतर अशांति से भयभीत न होता, तो शायद ही किसी पर्यटन के काबिल अपना प्रदेश होता। हम पर्यटन को चारा समझते रहे, सिर्फ एक परियोजना या बिना किसी प्राथमिकता और विमर्श के इसे सियासत में जोतते गए, नतीजतन सरकारी होटलों की इमारतों के भीतर घाटे का प्रबंध होने लगा। खैर निजी क्षेत्र समझा तो निवेश ऐसा सिर चढ़ बोला कि डलहौजी चप्पे-चप्पे पर कांप गया, मकलोडगंज का सूरज होटलों में छुप गया तथा मनाली पर्यटन को भीड़ बनाकर खुद को कोसने लगी। कमाया होगा रोहतांग की बर्फ ने या कुफरी की ढलानों ने, मगर वहां प्रकृति ने जो खोया, वह पर्यटन था ही नहीं। भले ही हम सैलानियों की गिनती में दो करोड़ का आंकड़ा छूने वाले हैं, लेकिन पर्यटन की मिलकीयत में पहाड़ सा अजूबा है कहां। आज भी हम सोच रहे हैं कि प्रदेश की प्राकृतिक या मानव निर्मित झीलों को सैरगाह बनाएंगे, वहां पर्यटन का शिकारा चलाएंगे, मगर पौंग में बाथू की लड़ी और बिलासपुर में डूबे मंदिर आज भी रुलाएंगे। क्या हमने उत्तराखंड जैसी कोई फूलों की घाटी खोज ली, क्या हमने सैलानियों को बुलाने के बहाने बढ़ा लिए। पर्यटन को सीजन बनाकर हमने अपनी संभावनाओं को चार महीनों की मनमाफिक कैद दे दी, लेकिन साल के शेष आठ महीने जाया कर दिए। अगर पर्यटक के दिन और महीने बढ़ाने हैं, तो सबसे पहले पहले पर्यटन डेस्टिनेशन को सीमांत जिलों मसलन ऊना, बिलासपुर, सिरमौर, सोलन व प्रमुख धार्मिक स्थलों पर स्थापित करना होगा। हमने अटल टनल को हाल ही में पर्यटक डेस्टिनेशन तो बना दिया, लेकिन सुरंग को छूकर सैलानी अगर मनाली को ही भर रहे, तो हमारी पर्यटन योजना का ट्राइब कब लाहौल-स्पीति में बसेगा। हमने मंदिरों को श्रद्धालु माना, लेकिन गिनती में पर्यटक गिना। हम मंदिर आय को संपत्ति नहीं मानते, इसलिए आठ सौ करोड़ के सोने को जमा रखते हैं। अगर इतने ही सोने से गोल्ड लोन लेकर आठ-दस धार्मिक नगरियां बना दें, तो तीर्थाटन के रास्ते पर पर्यटन आर्थिकी का सिंह द्वार बना सकते हैं। इसी तरह प्रदेश के मेलों, सांस्कृतिक समारोहों तथा विभिन्न आयोजनों से इवेंट्स पर्यटन को आमंत्रित कर सकते हैं। विडंबना यह है कि कानवेंशन टूरिज्म के नाम पर हम एक भी केंद्र विकसित नहीं कर पाए।

एनसीसी कैडेट्स अपने निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करें : संदीप वर्मा

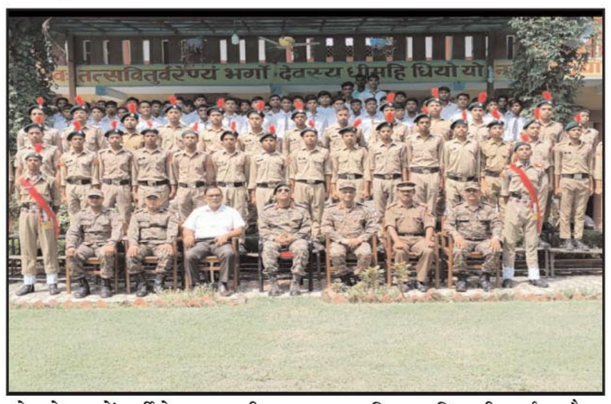

मुरादाबाद, (हि.स.)। महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज मुरादाबाद में बुधवार को एनसीसी के बरेली ग्रुप के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर संदीप वर्मा का आगमन हुआ। उन्होंने परेड का वार्षिक निरीक्षण कर एनसीसी कैडेटों को संबोधित किया। ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर संदीप वर्मा ने कैडटों से कहा यह समय आपके करियर को तराशने का है आपको अपना लक्ष्य तय करना होगा और उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी और एनसीसी के माध्यम से आप अपने करियर को नई ऊंचाइयां दे सकते हैं आप जीवन में किसी भी क्षेत्र में जाएं एनसीसी प्रशिक्षण के दौरान जो आपको सीख मिलेगी और अनुभव प्राप्त होगा वह आपके जीवन भर आपके काम आएगा। इसलिए एनसीसी की जो भी ट्रेनिंग दी जाए उसे वह पूरे मनोयोग से सीखे और उसका लाभ उठाएं। ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर ने आगे बताया कि आज एनसीसी कैडेट्स को शिक्षा के क्षेत्र में, सरकारी,अर्द्ध सरकारी व प्राइवेट सेक्टर में भर्ती के समय वरीयता दी जाती हैं। एनसीसी कैडेट को उसका लाभ उठाकर अपना करियर बनाना चाहिए। मेजर राजीव ढल नें कहा की राष्ट्र के पुनःनिर्माण में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में एनसीसी कैडेट की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हैं। भारत आज युवाओं का देश है यहां की 65 प्रतिशत आबादी युवा हैं। किसी भी राष्ट्र के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। 23 यूपी बटालियन एनसीसी के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल गौरव गुप्ता ने भी कैडटों को मोटिवेट किया। इस मौके पर महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अरुण कुमार शुक्ला प्रधानाचार्य मेजर राजीव ढल, सूबेदार राजेंद्र सिंह, नायब सूबेदार उत्तम, सीएचएम एलएन मौर्य, हवलदार संजय सहित बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे। पायलटिंग का कार्य अंडर ऑफिसर सावन कुमार व अमन कुमार नें किया।

2017 के पहले नहीं आता था निवेश, आज निवेश के ढेर लगे हैं : योगी आदित्यनाथ

– मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव के साथ साझा प्रेस कांफ्रेंस को किया संबोधित

ग्रेटर नोएडा, (हि. स.)। सेमीकॉन इंडिया 2024 के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी और केंद्र सरकार के आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्वनी वैष्णव ने साझा प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश के बदले हुए परसेप्शन का जिक्र करते हुए कहा कि 2017 के पहले जहां उत्तर प्रदेश में कोई निवेश नहीं करना चाहता था, वहीं आज उत्तर प्रदेश के बदले हुए परसेप्शन के कारण यहां निवेश के ढेर लगे हैं। आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है। निवेश के अनुकूल नीतियां हैं। व्यापार के अनुरूप वातावरण है। इसके चलते आज हर कोई उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आना चाहता है।

2017 से 2024 में आया बड़ा बदलाव – 2017 के पहले और 2017 के बाद के उत्तर प्रदेश में अंतर को स्पष्ट करते हुए योगी ने कहा कि 2017 में जब हम इन्वेस्टर्स समिट की प्लानिंग कर रहे थे तो हमें कहा गया कि सिर्फ 20 हजार करोड़ रुपये तक का ही निवेश संभव हो सकेगा। हालांकि, पिछले साल हमें ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव मिला। इसमें से इसी वर्ष फरवरी माह तक हमने 10 लाख करोड़ रुपये तक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने में सफलता प्राप्त की है। यह बदले हुए उत्तर प्रदेश के वर्क कल्चर को दिखाता है।

सेमीकंडक्टर पॉलिसी से निवेशकों की राह होगी आसान – मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को निवेश के अनुकूल राज्य बनाने के लिए विगत सात वर्ष में सभी ने काफी मेहनत की है। आज हम निवेशकों की प्रत्येक समस्याओं का निश्चित समय में समाधान करते हैं। ऑनलाइन पोर्टल निवेश मित्र के जरिए निवेश की प्रक्रिया को सबसे आसान बनाया गया है। पहले भी सिंगल विंडो सिस्टम की बात की जाती थी लेकिन हमने इसे गंभीरता से लागू किया। आज किसी भी निवेशक को अपने इंसेंटिव्स के लिए परेशान नहीं होना पड़ता। ऑनलाइन ही सारे काम हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में सेमी कंडक्टर पॉलिसी 2024 को हमने लागू किया है। इसके माध्यम से हम निवेशकों की राह को आसान बना रहे हैं।

बौद्ध सर्किट के लिए बनी 17.93 करोड़ की योजना प्रसाद का सर्वेक्षण शुरू

कुशीनगर, (हि.स.)। बौद्ध सर्किट के प्रमुख मार्गों पर पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार आगे आई है। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने इसके लिए 17.93 करोड़ की लागत वाली तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान प्रसाद परियोजना बनाई है। इसके लिए राज्य सरकार ने सर्वेक्षण शुरू कर दिया है। चयनित वाराणसी-गया,लखनऊ-अयोध्या, गोरखपुर-कुशीनगर, कुशीनगर- गया मार्ग पर पर्यटन आधारित मूलभूत सुविधाओं की स्थापना के लिए बनी इस योजना की धनराशि से तीर्थयात्रियों को सड़क पर उच्चस्तरीय प्रसाधन, कैफेटेरिया, साइनेज, वाहन मेंटीनेंस, पार्किंग, पार्क, आकस्मिक चिकित्सा आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेंगी। ताकि पर्यटक यात्रा के दौरान रिफ्रेश हो सके और उनकी यात्रा आरामदायक व सुगम हो। इस दौरान पर्यटक स्थानीय रहन सहन, भाषा, बोली और संस्कृति और क्षेत्र विशेष के भूगोल से भी अवगत हो देश की विविधता को जान समझ सकेंगे। अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की बौद्ध तीर्थस्थली कुशीनगर में बिहार के प. चंपारण जिले स्टेट हाइवे और गोपालगंज जिले नेशनल हाइवे के रास्ते से बौद्ध देशों के पर्यटकों का आवागमन होता है। इन दोनों मार्गों पर सड़क के एक सौ मीटर भीतर सुविधाएं पीपीपी माडल यानी पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के अंतर्गत सुविधाएं विकसित की जायेंगी। इसके चयन के लिए मानक पूरा करने वाले ढाबा या रेस्टोरेंट प्रबंधकों से प्रारंभिक बातचीत की जा रही है। इस संबंध में क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया की योजना अभी प्रारंभिक दौर में है। सर्वेक्षण की कारवाई चल रही है। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर्यटन निदेशालय आगे की कार्यवाही करेगा।

इनसेट – योजना से होगी सहूलियतः बौद्ध भिक्षु अशोक ने बताया कि योजना से पर्यटकों को बहुत सहूलियत होगी। बौद्ध सर्किट के कुशीनगर, सारनाथ, बोधगया, श्रावस्ती, संकिसा, कपिलवस्तु और नेपाल का लुंबनी सड़क मार्ग से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। किसी एक स्थान विशेष की यात्रा के लिए पर्यटक सीधी हवाई सेवा का प्रयोग कर पुनः गंतव्य के लिए लौट जाते हैं। किंतु एक से अधिक जगहों की यात्रा करने के लिए पर्यटक सड़क मार्ग का उपयोग करते हैं। म्यांमार, थाइलैंड, दक्षिणी कोरिया, वियतनाम, श्रीलंका, भूटान, नेपाल, ताइवान, लाओस के सर्वाधिक पर्यटक सड़क मार्ग से यात्रा करते हैं।

आरक्षण पर राहुल गांधी का सफाई देना गुमराह करने वाला बयान : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आरक्षण को लेकर एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गुमराह करने वाली गलत बयानबाजी कर रहे हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब यह सफाई दे रहे हैं कि वे आरक्षण के विरुद्ध नहीं हैं। स्पष्टतः गुमराह करने वाली गलतबयानी है। केन्द्र में भाजपा से पहले इनकी 10 साल रही सरकार में उनकी सक्रियता में इन्होंने सपा के साथ मिलकर एससी-एसटी का पदोन्नति में आरक्षण बिल पास नहीं होने दिया, इसका यह प्रमाण। इनके द्वारा देश में आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से बढ़ाने की बात भी छलावा, क्योंकि इस मामले में अगर इनकी नीयत साफ होती तो कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों में यह कार्य जरूर कर लिया गया होता। कांग्रेस ने न तो ओबीसी आरक्षण लागू किया और न ही एससी-एसटी आरक्षण को सही से लागू किया। मायावती ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि जब कांग्रेस सत्ता में नहीं होती है तो इन उपेक्षित एससी-एसटी और ओबीसी वर्गों के वोट के स्वार्थ की खातिर इनके हित व कल्याण की बड़ी-बड़ी बातें करती है लेकिन जब सत्ता में रहती है तो इनके हित के विरुद्ध लगातार कार्य करती है। ये लोग इनके इस षडयंत्र से सजग रहें।

69 हजार शिक्षक भर्ती: आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल मायावती से मिला

लखनऊ, (हि.स.)। उप्र की 69 हजार शिक्षक भर्ती के अंतर्गत अपनी नियुक्ति की मांग को लेकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मायावती से मुलाकात की। अभ्यर्थियों ने बसपा प्रमुख को एक ज्ञापन सौंपते हुए शिक्षक भर्ती में आरक्षण लागू करने में हुई विसंगति के बारे में विस्तृत रूप से बताया। बसपा प्रमुख मायावती ने अभ्यथीयों को आश्वासन देते हुए कहा कि यह लड़ाई हमारी लड़ाई है और हम इस पर बराबर नजर बनाए हुए हैं। किसी भी दशा में आरक्षित वर्ग अभ्यार्थियों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा यह सरकार की नाकामी है कि मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। सरकार चाहती तो सभी को न्याय अब तक मिल गया होता। लेकिन सरकार की नाकामी और लापरवाही की वजह से आज आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी परेशान है। डबल बेंच का फैसला आया था। सरकार इस पर आगे बढ़ सकती थी, लेकिन वह इंतजार करती और मामला अब सुप्रीम कोर्ट में चला गया। उन्होंने कहा कि अब भी सरकार को ध्यान देना चाहिए कि किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सरकार कोई ऐसी पॉलिसी तैयार करे, जिससे यह मामला सुलझाया जा सके। सभी को न्याय मिल सके। प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से वीरेंद्र कुमार, अमरेंद्र पटेल, नवनीत और एक महिला अभ्यर्थी शामिल थी।

रांची में राजस्थान मित्र मंडल 13 टन पुआल से बना रहा दुर्गा पंडाल

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची में दुर्गा पूजा को लेकर चारों ओर पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। इसी क्रम में अपर बाजार स्थित बड़ा तालाब के समीप राजस्थान मित्र मंडल के पंडाल में इस बार पुआल की कारीगरी दिखेगी। पूरा पंडाल धान के वाल से बनाया जाएगा, जिसका रूप काल्पनिक है। पूजा समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार पुरोहित ने बुधवार को कहा कि पूजा पंडाल का निर्माण कार्य जोर-जोर से शुरू हो चुका है। इसे मेदिनीपुर जिले के तपन दास के जरिये 6 जून से बनाया जा रहा है। 13 टन पुवाल से गोलाकार पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। पुआल की रस्सी के इस्तेमाल से आकर्षक डिजाइन' बनाए जा रहे हैं, जिसे मेदिनीपुर की सात महिलाओं द्वारा तैयार किया जा रहा है। मेदिनीपुर और सिलिगुड़ी के कुल 23 कारीगर पंडाल के निर्माण ने दिन रात लगे हैं। पंडाल के बाहर राम भक्ति में लीन बजरंगबली दिखेंगे। अंदर जहां माता विराजमान होंगी, वहां पर चित्रकारी के जरिये कृष्ण लीला का दृश्य दिखाया जाएगा, जो कि झारखंडवासियों के लिए अनूठा होगा। पंडाल की चौड़ाई 35 फीट, ऊंचाई 35 फीट और लंबाई 40 फीट होगी। मां दुर्गा की मूर्ति 15 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी रहेगी। मां दुर्गा को स्वर्ण जड़ित आभूषणों से सजाया जाएगा। साथ ही कोलकाता सें मां दुर्गा के लिए विशेष पोशाक मंगाया गया है। मूर्ति को पिस्का मोड़ के मूर्तिकार पिंटू के जरिये बनाया जा रहा है।

हजारीबाग उपायुक्त ने उत्पाद सिपाही दौड़ प्रतियोगिता का किया निरीक्षण

हजारीबाग, (हि.स.)। झारखंड उत्पाद सिपाही दौड़ प्रतियोगिता का निरीक्षण करने उपायुक्त नैंसी सहाय आज सुबह सात बजे हजारीबाग के पदमा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर पहुंची। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने बताया कि 9 सितंबर से 13 सितंबर तक चलने वाले इस दौड़ में प्रतिभागियों के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने आज ट्रेनिंग सेंटर के मेडिकल कैंप,रात्रि में रुकने की व्यवस्था, मेडिकल कैंप में दवाइयां की उपलब्धता, शौचालय आदि का जायजा लिया। उपायुक्त ने बताया कि पदमा में चल रही उत्पाद सिपाही दौड़ प्रतियोगिता संचालित किया जा रहा है तथा सभी व्यवस्थाएं मुकम्मल हैं। मौके पर उन्होंने दौड़ में शामिल हो रहे सभी अभ्यथियों को शुभकामनाएं दी। पदमा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के कमांडेंट मो अर्शी ने बताया कि पदमा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित में प्रतिभागियों के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं की गई है। उनके रुकने के लिए टेंट का इंतजाम किया गया है। दौड़ के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर मेडिकल कैंप अलर्ट है, प्रतिदिन लगभग 3000 प्रतिभागी इस दौड़ में शामिल हो रहे हैं। दौड़ तय समय अवधि जो 9 बजे निर्धारित है पूर्ण कर ली जा रही है। उन्होंने बताया कि पुरुष वर्ग के लिए आठ राउंड यानी 10 किलोमीटर की दौड़ और वही महिला वर्ग के लिए चार राउंड यानी 5 किलोमीटर की दौड़ का आयोजन किया जा रहा है।

मेदिनीनगर सेंट्रल जेल में कैदी की मौत पर जेल प्रबंधन पर लगा लापरवाही का आरोप, जांच की मांग

पलामू, (हि.स.)। मेदिनीनगर सेंट्रल जेल के कैदी कुंदन पांडे की मौत पर उसके परिजनों ने जेल प्रबंधन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। मौत की सूचना मिलने पर एमआरएमसीएच में पहुंची उसकी मां ने कहा कि जेल जाने से पहले उसका बेटा पूरी तरह से स्वस्थ था। दो दिन पहले उसकी उससे मिलने गई थी लेकिन मिलने नहीं दिया गया। कुंदन की मां ने कहा कि जेल प्रबंधन ने उसके बीमार रहने के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। पांच दिनों के भीतर ही उसकी मौत कैसे हो गई? जेल प्रशासन की कार्यशैली संदेह के घेरे में है। परिजनों ने मामले में दोषी जेल प्रशासन पर कार्रवाई करने की मांग की है। परिजनों ने यह भी कहा कि कुंदन लड़का और लड़की के मामले में लड़के को समझाने गया था लेकिन उस पर अपहरण का केस करके जेल भेज दिया गया। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। इधर, घटना की सूचना मिलने पर पूर्व मंत्री के एन त्रिपाठी अस्पताल पहुंचे और पूरी मामले जानकारी ली। जेल से अस्पताल लाने पर कैदी की स्थिति कैसी थी? इसकी जानकारी ली। अस्पताल में लाने के बाद कैदी के साथ किस तरह का इलाज किया गया यह भी पता किया। अस्पताल की ओर से बताया गया कि सुबह में कुंदन को इलाज के लिए लाने पर इसका ईसीजी किया गया, जिसमें वह मृत पाया गया। उन्होंने कहा कि अस्पताल के रिकॉर्ड से पाया गया है कि कुंदन पांडे को मृत अवस्था में बुधवार सुबह 5.30 बजे लाया गया था। हालांकि, जेल प्रबंधन ने अपने दस्तावेज में प्राण रक्षार्थ भेजने की बात कही है। पूरे मामले में जेल प्रशासन दोषी है। परिवार के लोग इस मामले में प्राथमिक दर्ज कराएंगे। मैं सरकार से मांग करता हूं की इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए और जेल प्रबंधन के साथ-साथ अन्य जो भी दोषी हैं, उन पर कार्रवाई की जाए। इस मामले में जेलर प्रमोद कुमार ने बताया कि बुधवार सुबह करीब चार बजे जेल के कंपाउंडर ने सूचना दी कि कुंदन पांडे की तबीयत ज्यादा खराब हो गई है। इसके बाद उसे इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भेजा गया था। उल्लेखनीय है कि छह सितंबर को दो स्कूली बच्चों के अपहरण मामले में कुंदन पांडेय समेत चार युवकों को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था।

पूर्व पार्षद अनुराधा देवी का निधन, सांसद ने घर जाकर दी श्रद्धांजलि

अररिया, (हि.स.)। अररिया के खड्गेश्वरी काली मंदिर के पास रहने वाले पूर्व नगर पार्षद स्वर्गीय ललित मोहन ठाकुर की धर्म पत्नी अनुराधा देवी का बुधवार की सुबह हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। स्व अनुराधा देवी स्वयं भी अररिया नगर परिषद की पार्षद रह चुकी है। अनुराधा देवी अपने पीछे भरा पूरा परिवार दो पुत्र और एक पुत्री छोड़ कर गई है। इनके पुत्र अमित कुमार अमन जिले के वरिष्ठ पत्रकार हैं,जबकि दूसरा पुत्र सुमित कुमार सुमन भी पूर्व नगर पार्षद रह चुके हैं। निधन की सूचना मिलने के बाद घर पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। सांसद प्रदीप कुमार सिंह भी घर पर पहुंचकर मृतका के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया। राजद अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अविनाश आनंद, राजद व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रधान महासचिव इंजीनियर आयुष अग्रवाल, कांग्रेस विधायक अबिदुर्रहमान, नगर पार्षद आबिद हुसैन अंसारी, मुख्य पार्षद विजय मिश्रा, उप मुख्य पार्षद गौतम कुमार साह, शशिकांत मिश्रा, जिला पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष राकेश भगत उर्फ मंटू भगत, फुलेंद्र मल्लिक, अमोद शर्मा, मृगेंद्र कुमार मणि, पराशरजी, रवि भगत, मुर्शीद रजा, मिंटू सिंह, चंदन कुमार लालू, रुपेश कुमार, रंजीत कुमार, विष्णुदेव झा बेदी, राहुल कुमार ठाकुर आदि ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी और दुःख के इस घड़ी में परिजनों को ढांढस बंधाया।

पूर्णिया आईजी शिवदीप लांडे पहुंचे किशनगंज, क्राइम कंट्रोल को लेकर एसपी के साथ किया मंथन

किशनगंज, (हि.स.)। पूर्णिया आईजी का पदभार ग्रहण करने के बाद शिवदीप वामन राव लांडे बुधवार को किशनगंज पहुंचे और क्राइम कंट्रोल को लेकर किशनगंज एसपी सागर कुमार के साथ बैठक की। किशनगंज पहुंचने पर सबसे पहले आईजी शिवदीप लांडे को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद बैठक खत्म होने के बाद वो मीडिया से रू-ब-रू हुए और किशनगंज एसपी सागर कुमार द्वारा किशनगंज में अपराध नियंत्रण की दिशा में किए जा रहे कामों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षो के मुकाबले जहां हत्याओं का अनुपात घटा है, वहीं, अन्य अपराधों में भी कमी आयी है। शिवदीप लांडे ने कहा कि जमीन विवाद की वजह से हत्याओं का दौर बढ़ा था लेकिन अब थानों में जमीन विवाद से संबंधित मामलों की सुनवाई प्रॉपर तरीके से हो रही है, जिस वजह से लैंड डिस्प्यूट से हो रही हत्याएं कम हुई है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में जब वो किशनगंज में एसपी के रूप में अतिरिक्त प्रभार में थे तो इंट्री माफियाओं को सबक सिखया था। सीमांचल में बढ़ रहे स्मैक के नशे को रोकने के लिए उन्होंने मजबूत और ठोस रणनीति बनाने की बात कही। कुल मिलाकर किशनगंज में निरीक्षण के दौरान वो एसपी सागर कुमार के कार्यों से संतुष्ट दिखे।

दिव्यांगजनों के लिए यूडीआईडी कार्ड और सहायक उपकरण वितरण शिविर 11 से 26 सितंबर तक

कटिहार, (हि.स.)। कटिहार जिले में दिव्यांगजनों के लिए एक महत्वपूर्ण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड बनाने के साथ-साथ सम्बल योजना के तहत कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण, बैट्री चालित ट्राई साईकिल वितरित किए जाएंगे। इस संदर्भ में जिला पदाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने बुधवार को बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना और उन्हें सशक्त बनाना है। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस शिविर में दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड बनाने के साथ-साथ सम्बल योजना के तहत कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण, बैट्री चालित ट्राई साईकिल वितरित किए जाएंगे।

इस योजना के लिए पात्रता मानदंड इस प्रकार हैं:– चलंत दिव्यांग छात्र/छात्राएं जिनका आवास बिहार राज्य स्थित महाविद्यालय/विश्वविद्यालय परिसर से 03 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी पर हो, वैसे चलंत दिव्यांग जो स्वाबलंबन के उद्देश्य से बिहार राज्य में रोजगार करते हैं और परिवार के कमाऊ सदस्य हो तथा उनके आवास से उनका रोजगार स्थल 03 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी पर हो, बिहार राज्य के स्थायी निवासी हों और बिहार में आवासन अनिवार्य हो, अधिकतम 02 लाख रुपये प्रतिवर्ष, आयु 18 वर्ष या उससे अधिक सहित न्यूनतम 60% चलंत दिव्यांगता होना अनिवार्य है। इस शिविर का आयोजन 11 सितंबर से 26 सितंबर तक किया जाएगा। शिविर का स्थान प्रत्येक पंचायत में निर्धारित किया गया है। बुधवार को सहायक निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग, कटिहार द्वारा प्रखंड डंडखोरा अंतर्गत डंडखोरा, भमरैली एवं सौरिया पंचायत भ्रमण किया तथा शिविर में आये हुए अधिकाधिक लाभुकों को लाभ पहुँचाने का कार्य किया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस शिविर में दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड बनाने के साथ-साथ सम्बल योजना के तहत कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण, बैट्री चालित ट्राई साईकिल वितरित किए जाएंगे। जिला पदाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने प्रखंड के दिव्यांगजनों को शिविर में भाग लेने के लिए प्रेरित करें और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करें।

पौष्टिक आहार ही जीवन को दे सकता बेहतर स्वास्थ्य : ज्योति

– स्कूली बच्चों को बताया गया है एनीमिया से बचने का उपाय

नवादा,(हि.स.)। पोषण माह के अवसर पर नवादा जिले के नरहट प्रखंड के छोटी पाली मध्य विद्यालय में बुधवार को बाल विकास परियोजना नरहट के सौजन्य से बच्चों के बीच एनीमिया से बचने को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ज्योति सिन्हा ने जीवन में बेहतर आहार से स्वस्थ जीवन के कई उपायों पर चर्चा की। ज्योति ने कहा कि पौष्टिक आहार ही जीवन को बेहतर स्वास्थ्य दे सकता है। जिसके लिए बच्चों को पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौष्टिक आहार के सेवन में बहुत पैसे की जरूरत नहीं है। हमारे ग्रामीण इलाकों में मौसमी फल से लेकर खेत में उपजने वाले जितने भी फसल हैं। सारी फसल पौष्टिकता से भरपूर है। केवल समय के अनुसार उनका उपयोग की जानकारी रखता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ दिमाग हो सकता है। बेहतर स्वास्थ्य के बिना जीवन में कोई भी उन्नति नहीं कर सकता। उन्होंने कहा है कि जब बच्चे स्वस्थ होंगे, तो हमारा देश भारत स्वस्थ होगा ।उन्होंने बेहतर स्वास्थ्य के लिए कई उपाय बताते हुए शिक्षक तथा छात्र-छात्राओं को खान-पान में सुधार लाने का संकल्प भी दिलाया। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ने कहा कि शिक्षकों का पहला कर्तव्य छात्र - छात्राओं को बेहतर रहन-सहन तथा खान-पान की जानकारी देनी है। इसका पालन बेहतर तरीके से करनी चाहिए।

आरबीआई ने नियामक निर्देशों का पालन नहीं करने वाले दो निजी बैंकों पर लगाया करोड़ों का जुर्माना

नई दिल्ली।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को ऐलान किया है कि उसने दो निजी बैंकों, एक्सिस बैंक लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक लिमिटेड पर कई नियामक निर्देशों का पालन न करने पर जुर्माना ठोका है। आरबीआई ने इसी साल तीन सितंबर को एक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ और एचडीएफसी बैंक पर एक करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई बैंकों द्वारा नियामक नियमों का पालन न करने की वजह से की गई है। ऐक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ का जुर्माना आरबीआई की जांच के बाद लगाया। यह जांच 31 मार्च 2023 तक की बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर की गई थी।

इस दौरान बैंक द्वारा बैंकिंग नियमों के कई उल्लंघन पाए गए, जिसके चलते यह जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई के मुताबिक बैंक ने ऐसे खाताधारकों के लिए बचत खाते खोले जो इसके योग्य नहीं थे। साथ ही बैंक ग्राहकों को यूनिक कस्टमर आईडी देने में भी नाकाम रहा। बैंक ने 1.60 लाख तक के कृषि ऋण के लिए गिरवी रखी संपत्ति को सुरक्षित नहीं किया। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि एक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना 'जमा पर ब्याज दर'' अपने ग्राहक को जानें (केवॉयसी) और कृषि ऋण प्रवाह बिना गिरवी के कृषि ऋण जैसे नियमों का पालन नहीं करने की वजह से लगाया गया है।

इसी तरह एचडीएफसी बैंक पर भी आरबीआई ने एक करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना बैंक द्वारा जमा पर ब्याज दर, रिकवरी एजेंटों की नियुक्ति और बैंकों में ग्राहक सेवा से जुड़े आरबीआई के दिशा-निर्देशों का पालन न करने के कारण लगाया गया है। आरबीआई ने बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर 31 मार्च 2022 की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आईएसई 2022 (निगरानी मूल्यांकन के लिए वैधानिक निरीक्षण) किया।

न्यूज ब्रीफ

अब अंबानी इनरवियर इंडस्ट्री में रखेंगे कदम, इजराइली कंपनी से की साझेदारी

नई दिल्ली। मशहूर कारोबारी मुकेश अंबानी खिलौने, कपड़े और चॉकलेट जैसे व्यापार के बाद अब इनरवियर इंडस्ट्री में कदम रखने वाले हैं। इसके लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इजराइल की इनरवियर निर्माण करने वाली कंपनी डेल्टा गैलिल के साथ साझेदारी की है। इस जॉइंट वेंचर से रिलायंस, जॉकी, स्पीडो और लेविस जैसे प्रमुख ब्रांडों को टक्कर देगी। रिलायंस और डेल्टा गैलिल का यह जॉइंट वेंचर मौजूदा रिलायंस ब्रांडों के लिए इनरवियर तैयार करेगा और साथ ही डेल्टा गैलिल के प्रमुख ब्रांड जैसे सेवन फॉर ऑल मनकिंड और नेसेसिटिज को भारतीय बाजार में पेश करेगा। डेल्टा गैलिल पहले से ही कई बड़े अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स जैसे कैल्विन क्लेन, टॉमी हिलफिगर, और कोलंबिया के लिए इनरवियर उत्पाद बनाती है और हाल ही में एडिडास और पोलो राल्फ लॉरेन के साथ भी साझेदारी की है। कुछ सालों में रिलायंस रिटेल ने केलोविया, जिवामा और अमानते जैसे ब्रांडों का अधिग्रहण किया है। ये ब्रांड्स 2023-2024 के वित्त वर्ष में 2000 करोड़ रुपए से ज्यादा की बिक्री कर चुके हैं। वजीर एडवाइजर्स के मुताबिक भारत का इनरवियर बाजार 2025 तक 75,466 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें महिलाओं के इनरवियर का 60फीसदी और पुरुषों का 30फीसदी हिस्सा है। विशेषज्ञों के मुताबिक मध्यम और प्रीमियम इनरवियर सेगमेंट में वृद्धि हो रही है, खासकर महिलाओं के बीच। महिलाओं की बढ़ती आय और आरामदायक व स्टाइलिश इनरवियर की मांग इस बाजार को तेजी से आगे बढ़ा रही है। फैशन के प्रति रुचि बढ़ने से पुरुषों के इनरवियर सेगमेंट में भी विस्तार हो रहा है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर आइसक्रीम बिजनेस बेचेगी! कई कंपनियां खरीदने को तैयार

नई दिल्ली। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने आइसक्रीम व्यापार के पुनर्गठन की संभावनाओं का आकलन करने स्वतंत्र निदेशकों की एक समिति गठित की है। कंपनी इस आइसक्रीन व्यापार को बेचने पर विचार कर सकती है। कई कंपनियों ने इसे खरीदने में दिलचस्पी भी दिखाई है। हिंदुस्तान यूनिलीवर के पोर्टफोलियो में क्वालिटी वॉल्स, कॉर्नेटो और मैग्नम जैसे ब्रांड्स शामिल हैं। आरजे कॉर्प पहले से क्रीम बेल आइसक्रीम बेचती है, जो भारत के आइसक्रीम ब्रांडों में शुमार है। इसके पास 25 राज्यों में मैजूदा और 11 हजार पुश कार्ट हैं। वहीं एमएमजी ग्रुप जो उत्तर और पूर्वी भारत में मैकडॉनल्ड्स चलाता है और कोका-कोला के लिए फ्रैंचाइजी बॉटलर है। इसका आइसक्रीम और फ्रोजन डेसर्ट में बैक-एंड तालमेल है। नेस्ले इंडिया ने पिछले दशक में ग्लोबल आइसक्रीम ब्रांड मोवेनपिक को बेचा था। कंपनी नेस्ले की भारतीय यूनिट भी इसे खरीदने में दिलचस्पी दिख रही है। हिंदुस्तान यूनिलीवर के आइसक्रीम व्यापार में प्रमुख ब्रांड्स जैसे क्वालिटी वॉल्स, कॉर्नेटो और मैग्नम शामिल हैं। कंपनी की सालाना 60 हजार करोड़ की बिक्री में आइसक्रीम बिजनेस की हिस्सेदारी करीब तीन फीसदी है।

कई राज्यों में बदले पेट्रोल-डीजल के रेट

नई दिल्ली। बुधवार को दिसंबर 2021 के बाद पहली बार ब्रेंट फ्यूचर 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आया है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दामों में बदलाव आया है। असम, कर्नाटक और केरल में पेट्रोल सस्ता हुआ है, जबकि एमपी, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में कीमतें बढ़ी हैं। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। बुधवार को चारों महानगरों की बात करें तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.85 रुपये और डीजल 92.43 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर हैं।

दो दिन की तेजी के बाद टूटा शेयर बाजार, लाल निशान में बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

निवेशकों को 1 दिन में लगी 2.26 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली।
घरेलू शेयर बाजार बुधवार को पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। बुधवार को कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर हुई थी। दिन के पहले सत्र में खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने मजबूती हासिल की लेकिन दूसरे सत्र में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

बुधवार को कारोबार में आईटी, बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, मेटल और रियल्टी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी बुधवार को लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया।

बुधवार को शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद घट कर 461.23 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी

दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 463.49 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को बुधवार को कारोबार से करीब 2.26 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

बुधवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,070 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,619 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 2,345 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 106 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में बुधवार को 2,455 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 828 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,627 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स बुधवार को 6.83 अंक की सांकेतिक मजबूती के साथ 81,928.12 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 213.66 अंक की मजबूती के साथ 82,134.95 अंक तक पहुंच गया। हालांकि दूसरे सत्र में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण बुधवार को कारोबार खत्म होने के आधा घंटा पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 700 अंक से ज्यादा लुढ़क कर 498.15 अंक की कमजोरी के साथ 81,423.14 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी 30 मिनट की कारोबार में हुई मामूली खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 100 अंक की रिकवरी करके 398.13 अंक की गिरावट के साथ 81,523.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने बुधवार को 7.10 अंक की कमजोरी के साथ 25,034 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 72.60 अंक उछल कर 25,113.70 अंक के स्तर तक पहुंच गया। बाजार में आई इस तेजी के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से ये सूचकांक थोड़ी ही देर में लुढ़क कर लाल निशान में पहुंच गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक 155.95 अंक की कमजोरी के साथ 24,885.15 अंक के स्तर तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 122.65 अंक की गिरावट के साथ 24,918.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज ऑटो 3.94 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 2.20 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.43 प्रतिशत, ब्रिटानिया 0.65 प्रतिशत और श्रीराम फाइनेंस 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ बुधवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। टाटा मोटर्स 5.74 प्रतिशत, ओएनजीसी 3.48 प्रतिशत, विप्रो 2.17 प्रतिशत, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 1.80 प्रतिशत और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 1.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ बुधवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

यूएलआई बनेगा नया उपक्रम, इस इकाई में बैंक हिस्सेधारक के रूप में जुड़ेंगे

नई दिल्ली।
यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) को अलग कर एक नए उपक्रम में इसे तबदील किया जा सकता है। बैंक इस उपक्रम में अपनी हिस्सेदारी रखेंगे। यूएलआई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के इनोवेशन हब (आरबीआईएच) का हिस्सा है लेकिन अब इसे अलग किया जा सकता है। इस मामले के जानकार ने बताया यूएलआई को व्यावसायिक रूप देने एक नई इकाई खड़ी करनी होगी। मौजूदा स्वरूप यानी आरबीआईएच के अंदर यह कार्य नहीं किया जा सकता। आरबीआई एवं इसकी सहायक इकाइयों को व्यावसायिक परिचालन की इजाजत नहीं है। आरबीआईएच केंद्रीय बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई है। यूएलआई जिस रूप में है उसमें इसे भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। एनपीसीआई की स्थापना भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के अंतर्गत हुई है। सूत्रों ने बताया कि यूएलआई के लिए अलग से एक इकाई तैयार करने की संभावनाओं पर चर्चा जारी है। इस इकाई में बैंक हिस्सेधारक के रूप में जुड़ेंगे। यह ठीक एनपीसीआई की तर्ज पर होगा जिसमें सार्वजनिक बैंक, विदेशी बैंक, सहकारी बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की हिस्सेदारी है। पिछले महीने आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि पीटीपीएफसी को यूएलआई के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने ऋण आवंटन पर इसके संभावित प्रभाव की तुलना देश में भुगतान खंड में यूपीआई से आए बदलाव से की थी। यूएलआई का मकसद कर्जदाताओं तक डिजिटल जानकारियां पहुंचाना है। यह बिना किसी रुकावट के कम समय में ऋण आवंटन तय कराने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों, अकाउंट एग्रीगेटर, बैंक, क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनी, डिजिटल पहचान प्राधिकरणों सहित अन्य स्रोतों से जानकारियां जुटाएगा। सूत्रों ने संकेत दिए कि आरबीआई यूएलआई में हिस्सेदारी रखने वाली कंपनियों का दायरा बढ़ाने पर विचार कर रहा है ताकि इसमें पुरानी और नई वित्त-तकनीक एनबीएफसी भी शामिल हो सकें। पीटीपीएफसी में आधार ई-केवाईसी, भागीदार राज्य सरकारों की जमीन का लेखा-जोखा, उपग्रह से जुड़ी जानकारी, स्थायी खाता संख्या (पैन) सत्यापन, ट्रांसलिटरेशन, आधार ई-हस्ताक्षर, अकाउंट एग्रीगेटर सहित दुग्ध सहकारी संस्थाओं और जायदाद की खोज से जुड़ी कई जानकारियां उपलब्ध कराई गई हैं।

कच्चे तेल में गिरावट से पेंट, एविएशन टायर के शेयरों में आएगा उछाल

नई दिल्ली।
कच्चे तेल में गिरावट से बाजार में तेजी देखने को मिल सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2021 के बाद यह पहला मौका है जब ब्रेंट फ्यूचर 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चला गया है। ऐसे में उन शेयरों में तेजी देखने को मिल सकती है, जिनका कनेक्शन कच्चे तेल के इस्तेमाल और

आपूर्ति से है। क्रूड की कीमतों में गिरावट के चलते पेंट, एविएशन, केमिकल, टायर और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। चूंकि, भारत पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति के लिए क्रूड आयात करता है। ऐसे में भाव कम होने से महंगाई में भी राहत देखने को मिल सकती है। क्रूड की कीमतों के तीन साल के निचले स्तर पर पहुंच जाने से पेंट, एविएशन, टायर और केमिकल शेयरों में अच्छी तेजी आने की संभावना है। दरअसल कच्चे तेल का इस्तेमाल पेंट, टायर और केमिकल मटेरियल बनाने में किया जाता है। ऐसे में सस्ता क्रूड मिलने से इन कंपनियों की इनपुट कॉस्ट कम होगी और मुनाफा भी बढ़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में पेंट्स शेयरों ने ज्यादा अच्छा रिटर्न नहीं मिला है। मार्केट लीडर एशियन पेंट्स और बर्जर पेंट्स स्थिर रहे हैं, वहीं कंसाई नेरोलैक के शेयर मूल्य में नौ फीसदी की गिरावट रही। दूसरी ओर बालकृष्ण इंडस्ट्रीज, सिएट, अपोलो टायर्स और जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज जैसे टायर शेयरों ने 22फीसदी से 62फीसदी के बीच रिटर्न दिया है।

महंगी हुई चांदी, सोने में गिरावट जारी

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आया। दूसरी ओर, चांदी ने एक हजार रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। सोने के भाव में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना भी 73 हजार रुपये के स्तर से नीचे लुढ़क कर 72,980 रुपये से लेकर 72,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,910 रुपये से लेकर 66,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं कीमत में आई तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 86,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 72,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 72,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 72,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 72,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,880 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 72,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से बुधवार को कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं यूरोपीय बाजार में दबाव का माहौल बना रहा। एशियाई बाजार में भी गिरावट के साथ कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती होने की संभावना और आर्थिक सुस्ती की आशंका के बीच अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान असमंजस में कारोबार करता नजर आया। इस ऊहापोह के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए।

डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में 0.43 प्रतिशत की गिरावट

बुधवार को डाउ जॉन्स 93 अंक की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,495.52 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत

किया। इसी तरह नैस्डेक 141.28 अंक यानी 0.84 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,025.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स 175.44 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 40,561.52 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

बुधवार को यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान बिकवाली के दबाव में कारोबार करते नजर आए। एफटीएसई इंडेक्स 0.79 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,205.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.24 प्रतिशत टूट कर 7,407.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 177.64 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,265.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

8 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान पर रहे

बुधवार को एशियाई बाजारों में बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से सिर्फ एक का सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहा है, जबकि 8 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। एशियाई बाजारों में इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,526.96 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,068 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.04 प्रतिशत लुढ़क कर 21,054.75 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है।

फिलहाल ये सूचकांक 525.98 अंक यानी 1.45 प्रतिशत टूट कर 35,633.18 अंक तक गिर गया है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 241.97 अंक यानी 1.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 16,992.12 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा बुधवार को कोस्पी इंडेक्स 0.44 प्रतिशत लुढ़क कर 2,512.44 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.84 प्रतिशत टूट कर 1,416.06 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत फिसल कर 7,749.55 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,718.85 अंक के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : मलेशिया को 8-1 हराकर भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

नई दिल्ली।
युवा स्ट्राइकर राज कुमार पाल की हैट्रिक की मदद से गत चैंपियन भारत ने बुधवार को हीरो एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में मलेशिया को 8-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। यह टूर्नामेंट में भारत की लगातार तीसरी जीत थी।

राज कुमार (तीसरे, 25वें और 33वें मिनट) के अलावा, अरिजीत सिंह हुंदल (छठे और 39वें मिनट), जुगराज सिंह (सातवें मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (22वें मिनट) और उत्तम सिंह (40वें मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे। मलेशिया के लिए अखिमुल्लाह अनवार (34वें मिनट) ने एकमात्र गोल किया। भारत फिलहाल तीन जीत से नौ अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर है।

छह टीमों का यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जा रहा है और शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जिसके बाद 17 सितंबर को फाइनल होगा। भारत ने टूर्नामेंट के पहले मैच में मेजबान चीन को 3-0 से हराया था, उसके बाद उसने जापान को 5-1 से हराया था। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत गुरुवार को कोरिया से भिड़ेगा, उसके बाद शनिवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ लीग मैच खेलेगा। इन दोनों टीमों के बीच आखिरी मैच 2023 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल था, जहां हाफ-टाइम तक भारत 1-3 से पीछे था। उस मैच में भारतीय टीम ने जोरदार वापसी की और 4-3 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया।

आज खेले गए मैच में भारतीय स्ट्राइकरों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पांच फील्ड गोल और तीन पेनल्टी कॉर्नर बनाए, जिन्हें जुगराज, हरमनप्रीत और उत्तम ने गोल में बदला।

मलेशिया के खिलाफ, भारतीयों ने पहले क्वार्टर में लगातार हमलों के साथ आगे बढ़ना शुरू किया। और राज कुमार ने भारत को बढ़त दिलाने में देर नहीं लगाई, उन्होंने एक गोल किया, अविश्वसनीय स्टिकवर्क दिखाया और इस तरह मलेशियाई बैक-लाइन का मजाक उड़ाया।

तीन मिनट बाद, अरिजीत ने मलेशियाई पोस्ट के कोने को ढूंढकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। एक मिनट बाद, जुगराज ने एक शक्तिशाली ड्रैग-फ्लिक के साथ पेनल्टी कॉर्नर पर बेहतरीन गोल करके बढ़त को और मजबूत कर दिया। टीम पहले क्वार्टर में 3-0 की बढ़त के साथ आगे बढ़ी।

तीन गोल से पिछड़ने के बाद मलेशिया ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक शुरुआत की और जल्द ही एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति मज़बूत रही। भारत ने 22वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग-फ्लिकर में से एक हरमनप्रीत ने शानदार फ्लिक के साथ मलेशियाई गोल में गेंद को डाला और बढ़त को और आगे बढ़ाया। कुछ मिनट बाद, राज कुमार ने अपना दूसरा गोल किया, जिसे अरिजीत और उत्तम ने सेट किया था और भारत ने हाफ-टाइम में 5-0 की बढ़त हासिल की। अंत में बदलाव के तीन मिनट बाद, राज कुमार ने सीनियर स्तर पर अपनी पहली हैट्रिक बनाई और भारत को 6-0 से आगे कर दिया। मैच के 34वें मिनट में अखिमुल्लाह ने गोल कर मलेशिया का खाता खोला और स्कोर 6-1 हो गया। 39वें मिनट में अरिजीत ने नीलकांत शर्मा के पास पर फील्ड गोल किया और फिर एक मिनट बाद, उत्तम ने पेनल्टी कॉर्नर से रिबाउंड पर गोल कर भारत को 8-1 से जीत दिला दी।

न्यूज़ ब्रीफ

क्रिकेट में हाथ आजमाने के बाद, विराट और धोनी के बराबर आए सैमसन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन मैदान से बाहर भी अपने पांव पसार रहे हैं। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज अब केरल के फुटबॉल क्लब मलप्पुरम एफसी के को-ऑनर बन गए हैं। इस तरह वह विराट कोहली और एमएस धोनी की सूची में शामिल होकर उनके बराबर आ गए हैं। क्लब और संजू सैमसन ने सोशल मीडिया के ज़रिए इसकी जानकारी साझा की है। केरल फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित सुपर लीग केरल का उद्घाटन सत्र सात सितंबर को हुआ था, जिसमें संजू की टीम मलप्पुरम एफसी ने शुरुआती मैच में फोरा कोच्चि को 2-0 से हराया। टूर्नामेंट में कुल छह टीमें भाग ले रही हैं जिनमें मलप्पुरम एफसी, फोर्का कोच्चि, कन्नूर वारियर्स, कालीकट एफसी, तिरुवनंतपुरम कोम्बन्स और त्रिशूर मैजिक शामिल हैं। लीग सात सितंबर से दस नवंबर तक चलेगी और मैच केरल के चार अलग अलग जगहों पर खेले जाएंगे। विराट कोहली और एमएस धोनी के बाद फुटबॉल क्लब में हिस्सेदारी खरीदने वाले संजू सबसे कम उम्र के भारतीय क्रिकेटर हैं। कोहली इंडियन सुपर लीग क्लब एफसी गोवा के को-ऑनर हैं। वहीं धोनी चेन्नईयिन एफसी के सह-मालिक हैं। सैमसन के साथ बिस्मी ग्रुप के एमडी वी.ए. अजमल बिस्मी, डॉ. अनवर अमीन चेलट और बेबी नीलाम्बरा मलप्पुरम एफसी के सह-मालिक हैं। सैमसन मौजूदा समय में दलीप ट्रॉफी में खेल रहे हैं। बता दें सैमसन को आखिरी बार भारत के श्रीलंका दौरे पर देखा गया था, जहां उन्होंने तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली थी। वहां उनका प्रदर्शन खराब रहा था। वह लगातार दो बार जीरो पर आउट हो गए थे। अब देखना ये होगा कि बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए संजू सैसमन को चुना जाता है या नहीं। फिलहाल संजू फुटबॉल लीग में बिजी हैं।

रॉडिक पर हमेशा भारी पड़े फेडडर

लास एंजिल्स। स्विटजरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर विश्व के एक महान खिलाड़ी हैं। फेडरर के नाम कई ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। आप से कई साल पहले अमेरिकी ओपन के फाइनल में एंडी रॉडिक के साथ उनका मुकाबला बेहद अहम रहा है। इसी के साथ ही फेडरर ने 9वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। यह मुकाबला फेडरर ने 6-2, 4-6, 7-5, 6-1 से जीत कर इतिहास रचा था। वहीं रॉडिक एक बार फिर खिताब के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पाये। इस मैच में फेडडर और रॉडिक ने पूरी ताकत लगा दी पर फेडरर के सामने अब वह नहीं टिक पाये। फेडरर और रॉडिक के बीच स्वाभाविक अंतर था। रॉडिक इस हार से एक बार फिर फेडरर के बराबर आने से रह गये। मैच के दौरान रॉडिक खुद को प्रेरित करते दिखे पर उनके प्रयास जीत नहीं दिला पाये। तीन साल बाद, 2009 में, इन दोनों के बीच विंबलडन का फाइनल भी रोमांचक इसमें चार घंटे से भी ज्यादा समय तक खेल हुआ। इसमें भी रॉडिक ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया पर अंत में जीत फेडरर को मिली। यह मैच भी रॉडिक के लिए खास रहा पर एक बार फिर फेडरर को मात देने में विफल रहे।

चहल का काउंटी में शानदार प्रदर्शन, फर्स्ट क्लास में 100 विकेट पूरे

नॉर्थम्पटन। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में शानदार गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा है। चहल ने इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप के डिवीजन दो मैच में नॉर्थम्पटनशर की ओर से खेलते हुए डर्बीशर के खिलाफ 45 रन देकर पांच विकेट लिए। ये तीसरी बार है जब चहल ने तीसरी बार फर्स्ट क्लास में पांच विकेट लिए हैं। इसी के साथ ही चहल ने फर्स्टक्लास क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे किए। चहल के लिए काउंटी क्रिकेट का यह सत्र काफी अच्छा रहा है। इस लेग स्पिनर ने पिछले महीने ही वन डे कप में केंट के खिलाफ 14 रन देकर पांच खिलाड़ियों को आउट किया था। नॉर्थम्पटनशर की जीत में चहल और रॉब केओघ की अहम भूमिका रही। केओघ ने 65 रन पर तीन विकेट लिए थे। इससे डर्बीशर की टीम 61.3 ओवर में 165 रन पर ही सिमट गयी। चहल की गेंदों का सामना करने में डर्बीशर के बल्लेबाजी असफल रहे। वेन मैडसेन को जिस तरह से चहल ने क्लीन बोल्ड किया।

पेरिस में इतिहास रच कर लौटे पीसीआई के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कहा

पेरिस पैरालिंपिक के बाद दुनिया ने मान लिया कि भारत स्पोर्टिंग कंट्री बन गया

नई दिल्ली।
भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक के बाद दुनिया ने ये मान लिया कि है कि भारत एक स्पोर्टिंग कंट्री बन गया है। भारतीय दल ने पेरिस में अपने पैरालिंपिक अभियान का समापन सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य सहित 29 पदकों के साथ किया। पैरालिंपिक के इतिहास में भारत द्वारा जीते गए 29 पदक सबसे अधिक हैं।

इस ऐतिहासिक अभियान के समापन के बाद, भारत ने टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में हासिल किए गए 19 पदकों के अपने रिकॉर्ड को भी पार कर लिया। भारत ने इस मार्की इवेंट का समापन 18वें स्थान पर किया। इससे पहले मंगलवार को पेरिस पैरालिंपिक में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय दल भारत वापस लौट आया।

झाझरिया ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक के बाद दुनिया ने ये मान लिया कि है कि भारत एक स्पोर्टिंग कंट्री बन गया है। उन्होंने कहा, पेरिस में हमारे खिलाड़ियों ने इतिहास बनाया है सबसे बड़ा मैसैज ये है कि पेरिस पैरालिंपिक के बाद दुनिया ने ये मान लिया कि है कि भारत एक स्पोर्टिंग कंट्री बन गया है, क्यों कि हम पदक तालिका में शीर्ष 20 में शामिल हो गए हैं, जो बड़ी बात है।

झाझरिया ने कहा, जब हम भारत से रवाना हुए थे, तो हमने सोचा था कि हम 25 से ज़्यादा पदक जीतेंगे और शीर्ष 17-18 देशों में शामिल होंगे। भारत अब एक खेल राष्ट्र बन गया है। हमने इतिहास रच दिया है। दूसरे देशों को भी अब एहसास हो गया है कि भारत ने कितना अच्छा प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की योजनाओं की वजह से ही भारत ने बहु-खेल आयोजन में इतिहास रच दिया है। उन्होंने कहा, पिछले 10 सालों में खेलों में काफ़ी काम हुआ है, चाहे वह टॉप्स हो, खेलो इंडिया हो, प्रशिक्षण केंद्र हो आदि। प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र की योजनाओं की वजह से ही हमने इतिहास रच दिया है।

झाझरिया ने आगे कहा, हमने तीरंदाज़ी में पहला स्वर्ण पदक जीता। हमने ब्लाइंड जूडो में भी पहला पदक जीता। यह शानदार प्रदर्शन था। हमने 12 महीने पहले से ही पेरिस पैरालिंपिक की तैयारी शुरु कर दी थी, हमने पेरिस में पहले ही देख लिया था कि इंडियन फूड रेस्टोरेंट कौन से अच्छे हैं। तो ये एकदिन का परिणाम नहीं है, मैं उन लोगों का भी आभार जताता हूं, जिन्होंने हमारे एथलिटों के लिए हरसंभव मेहनत की, पूरे पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया परिवार को भी बधाई देता हूं क्योंकि ये किसी एक का नहीं, बल्कि सबका योगदान है मसाजर से लेकर प्रधानमंत्री तक सभी इस सफलता के भागीदार हैं।

झाझरिया ने प्रधानमंत्री मोदी का भी आभार जताया, उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने पिछले 10 साल में पैरा स्पोर्टस के लिए जो काम किया है वो असाधारण रहा है, उन्होंने हौसला भी बढ़ाया है और सुविधाएं भी दी हैं, उन्होंने दोनों काम किया है, समय से खिलाड़ियों से बात करना उनका हौसला अफजाई करना वो करते आ रहे हैं, जब हम पेरिस जा रहे थे तो उन्होंने सभी से मुलाकात की और हौसला बढ़ाया, सभी खिलाड़ियों के प्रति उनका उत्साह रहता है, उनके एक-एक शब्दों से खिलाड़ी हौसला लेते हैं। बता दें कि भारत ने पैरालिंपिक खेलों में कई रिकॉर्ड फिर से बनाए और पहली बार कुछ उपलब्धियां हासिल कीं। पैरा-शूटर अवनी लेखरा दो पैरालिंपिक स्वर्ण पदक हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं, क्योंकि उन्होंने 249.7 अंकों के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 शूटिंग खिताब को बरकरार रखने में कामयाबी हासिल की।

भारत ने पहली बार पैरा-एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पहला और दूसरा स्थान हासिल किया, जिसमें धरमबीर और परनव सूरमा ने पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 स्पर्धा में क्रमश: स्वर्ण और रजत जीता। यह इस खेल में भारत के पहले पदकों में से एक था। धरमबीर ने 34.92 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड भी बनाया। टी64 हाई जंप स्पर्धा में प्रवीण कुमार 2.08 मीटर की एशियाई रिकॉर्ड-तोड़ छलांग के साथ पोडियम के शीर्ष पर रहे, जिससे भारत को छठा स्वर्ण पदक मिला। भारत ने सात स्वर्ण पदकों के साथ प्रतियोगिता समाप्त की। भारत को ओलंपिक और पैरालिंपिक में अपना पहला तीरंदाजी चैंपियन भी मिला, जिसमें हरविंदर सिंह ने पोलैंड के लुकाज़ सिसजेक के खिलाफ व्यक्तिगत रिकर्व पैरा-तीरंदाजी में स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल पैरालिंपिक खिताब का बचाव करने वाले पहले भारतीय पुरुष बन गए, उन्होंने 70.59 मीटर के शानदार पैरालिंपिक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग थ्रो के साथ एफ64 इवेंट में लगातार दो स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने टोक्यो 2020 के दौरान बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड को एक बार नहीं, बल्कि तीन बार तोड़ा।

पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमक के अनुबंध नवीनीकरण प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच कराएगा एआईएफएफ

नई दिल्ली।
अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमक के अनुबंध नवीनीकरण में अपनाई गई आंतरिक प्रक्रियाओं और इसमें शामिल कर्मियों की स्वतंत्र जांच की मांग की है।

स्टिमक का अनुबंध 17 जून को समाप्त कर दिया गया था, जब एआईएफएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने क्रोएशियाई प्रबंधक के साथ एक आभासी बैठक की थी। अपने अनुबंध की समाप्ति के बाद स्टिमक ने फीफा फुटबॉल ट्रिब्यूनल के समक्ष 920,000 डॉलर का दावा दायर किया था। स्टिमक और एआईएफएफ ने हाल ही में क्रोएशियाई को मुख्य कोच के पद से हटाने के लिए मुआवजे के समझौते पर सहमति व्यक्त की। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने हैदराबाद में एक बैठक की। बैठक के दौरान, सदस्यों ने महासंघ के अनुबंध के तहत दावों के नवीनीकरण, समाप्ति और अंतिम निपटान पर चर्चा की। एआईएफएफ ने मंगलवार को एक बयान में कहा, यह देखते हुए कि पूर्व मुख्य कोच ने अंतत: एआईएफएफ के साथ पूर्ण और अंतिम समझौता करने से पहले फीफा फुटबॉल ट्रिब्यूनल के समक्ष 920,000 डॉलर का दावा दायर किया था, सदस्यों ने 2023 में हेड कोच के अनुबंध को अस्वीकृत और प्रतिकूल शर्तों पर नवीनीकृत करने के दौरान शामिल कर्मियों के, जिसने अंतत: एआईएफएफ को समझौता करने की स्थिति में छोड़ दिया, जिससे दावे के निपटान में महासंघ को महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान हुआ, आंतरिक प्रक्रियाओं की स्वतंत्र जांच की मांग की।

एआईएफएफ ने कहा, सदस्यों ने यह भी आशंका व्यक्त की कि कैसे एक पूर्व कर्मचारी, जो अब भारतीय फुटबॉल में किसी भी पद पर नहीं है, दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ और एशियाई फुटबॉल परिसंघ की विभिन्न समितियों में एआईएफएफ का प्रतिनिधित्व करना जारी रखता है और एआईएफएफ एक्ससीओ से इन निकायों को लिखने और इस तरह की प्रथाओं को रोकने के लिए कार्रवाई करने का अनुरोध किया। बैठक के दौरान, भारत की अंडर 20 पुरुष राष्ट्रीय टीम को आई-लीग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भी चर्चा की गई और प्रस्ताव रखा गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले पत्र से सम्मानित अनुभव कर रहा : श्रीजेश

स्टार गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा-हॉकी की सेवा करता रहूंगा

नई दिल्ली।
पेरिस ओलंपिक के बाद हॉकी से संन्यास लेने वाले स्टार गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हॉकी करियर में अहम योगदान के लिए उन्हें एक खास पत्र भेजा है जिससे वह सम्मानित अनुभव कर रहे हैं।

इस पत्र में प्रधानमंत्री ने उम्मीद जतायी है कि जिस प्रकार उन्होंने खिलाड़ी के तौर पर देश की सैवा की है वैसी ही वह कोच के तौर पर भी करेंगें। श्रीजेश को भारतीय हॉकी की दीवार कहा जाता है। उन्होंने कहा, मुझे प्रधानमंत्री से जो पत्र मिला है उससे मुझे बेहद खुशी हुई है। संन्यास पर यह विशेष पत्र मिला। हॉकी मेरी जिंदगी है और मैं इस खेल की सेवा करना हमेशा ही जारी रखूंगा। इसके साथ ही भारत को हॉकी में एक ताकत बनाने की दिशा में भी अपने प्रयास जारी रखूंगा। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत को मिले पदकों में श्रीजेश ने अहम भूमिका निभाई थी। श्रीजेश ने साल 2006 में श्रीलंका में हुए दक्षिण एशियाई खेलों से अंतर्राष्ट्रीय करियर में कदम रखने के बाद से ही एक दिवार की तरह से गोलकीपर की जिम्मेदारी निभाई है। उन्होंने 328 मैचों में भारत की ओर से खेला है। प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीजेश को अपने पत्र में लिखा, पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के लिए बधाई। यह आपके करियर का आखिरी मैच था, और यह आपके लिए बेहद भावनात्मक क्षण रहा होगा। मुझे भरोसा है कि यह जीवन के अगले चरण की शुरुआत का संकेत है, जहां आप जूनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे। मुझे विश्वास है कि आप इस नई भूमिका में भी उतने ही सफल रहेंगे।

पेरिस ओलंपिक में कोकीन खरीदने के प्रयास के कारण ऑस्ट्रेलियाई हॉकी खिलाड़ी निलंबित

नई दिल्ली। फील्ड हॉकी खिलाड़ी टॉम क्रेग को पेरिस ओलंपिक में कोकीन खरीदने का प्रयास करने के कारण खेल की ऑस्ट्रेलियाई शासी संस्था द्वारा 12 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है।

क्रेग को 7 अगस्त को पेरिस में ओलंपिक अभियान समाप्त होने के बाद रात में बाहर घूमने के दौरान ड्रग खरीदने की कोशिश करने के बाद गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बिना किसी आरोप के रिहा कर दिया गया था। फ्रांसीसी अभियोजकों ने एक बयान जारी करके पुष्टि की कि अब 29 वर्षीय ओलंपियन (तीन साल पहले टोक्यो में रजत पदक विजेता) को आपराधिक चेतावनी दी गई थी और एक रात हिरासत में बिताने के बाद रिहा कर दिया गया था। हॉकी ऑस्ट्रेलिया के बयान में बुधवार को कहा गया, पेरिस में 2024 ओलंपिक खेलों में राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के एथलीट टॉम क्रेग की गिरफ्तारी की जांच के बाद, हॉकी ऑस्ट्रेलिया की इंटीग्रिटी यूनिट ने 12 महीने का निलंबन लगाया है।

ब्रुसेल्स डायमंड लीग फाइनल में भाग लेंगे नीरज चोपड़ा व अविनाश साबले

नई दिल्ली।
पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा 13 और 14 सितंबर को बेल्जियम के ब्रुसेल्स में डायमंड लीग सीज़न के फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

उन्होंने स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर रहने के बाद सीज़न के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने लुसाने और दोहा में शानदार प्रदर्शन किया और दोनों ही मुकाबलों में दूसरे स्थान पर रहे।

लुसाने डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा ने 89.49 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि दोहा में, यह 88.36 मीटर था। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अविनाश साबले पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में भाग लेंगे। हाल ही में, वे पोलैंड में सिलेसिया डायमंड लीग 2024 में 14वें स्थान पर रहे।

भाला फेंक स्पर्धा की अंतिम प्रविष्टि सूची - नीरज चोपड़ा (भारत), जेनकी रॉड्रिक डीन (जापान), आर्टट फेल्नर (यूक्रेन), टिमोथी हरमन (बेल्जियम), एंड्रियन मार्डेरे (मोल्दोवन), एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा), जैकब वडलेज (चेक रिपब्लिक), जूलियन वेबर (जर्मनी)।

पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ की अंतिम प्रविष्टि सूची- डैनियल आर्से (स्पेन), एबडेराफिया बौसेल (मोरक्को), सौफ़ियान बक्काली (मोरक्को), सैमुअल फ़िरेवु (इथियोपिया), मोहम्मद अमीन झिनौई (ट्यूनीशिया), अब्राहम किबिवोट (सेंट किट्स और नेविस), विलबरफ़ोर्स केमियाट कोन्स (सेंट किट्स और नेविस), अविनाश मुकुंद सेबल (भारत), अमोस सेरेम (सेंट किट्स और नेविस),अब्राहम सिमे (इथियोपिया), मोहम्मद टिंडौफ़्ट (मोरक्को), गेटनेट वेले (इथियोपिया)।

यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग : फ्रेंचाइजियों ने तीसरे सत्र के लिए प्लेयर्स घोषित किए

फ्लोरिडा।
यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग के तीसरे सत्र की शुरुआत के उत्साह की बढ़ोतरी के साथ-साथ टीमों ने अपनी खिलाड़ी रिटेंशन रणनीतियों को अंतिम रूप दे दिया है। नवंबर में फ्लोरिडा के ब्रावर्ड काउंटी स्टेडियम में लीग के शुरू होने से पहले टीमों ने प्रमुख खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है। अमेरिका और वैश्विक क्रिकेट के कुछ बड़े नामों की वापसी के साथ इस सत्र में रोमांचक क्रिकेट और शीर्ष स्तर के प्रदर्शन की उम्मीद है।

स्टार खिलाड़ियों का रिटेंशन इस बात को दर्शाता है कि टीमें अपने वर्तमान खिलाड़ियों में कितना भरोसा करती हैं। वे प्रतिष्ठित यूएसपीएल खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी कर रही हैं। पांचों फ्रेंचाइजी—एनजे टाइटंस, न्यूयार्क काउबायज, मैरीलैंड मैवरिक्स, कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स ने अपनी कोर टीम को बनाए रखने के लिए रणनीतिक फैसले लिए हैं, जिससे आगामी सत्र के लिए निरंतरता और स्थिरता सुनिश्चित हो सके।

एनजे टाइटंस ने छह खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इनमें आलराउंडर हरमीत सिंह, विस्फोटक बल्लेबाज एंड्रीस गौस और अमेरिका के पूर्व कप्तान सौरभ नेत्रावल्कर भी शामिल हैं। ये खिलाड़ी पिछले सत्र में टीम के मजबूत प्रदर्शन के प्रमुख स्तंभ थे, और उनके रिटेंशन से यह स्पष्ट होता है कि टाइटंस अपनी इस लय को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

आक्रामक खेल के लिए प्रसिद्ध न्यूयार्क काउबायज ने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इनमें शीर्ष क्रम के बल्लेबाज जलाध दुआ, मुख्तार अहमद और तजिंदर सिंह ढिल्लों शामिल हैं। ये खिलाड़ी उस बल्लेबाजी क्रम की रीढ़ हैं जिसने पिछले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया था।

वहीं, मैरीलैंड मैवरिक्स ने अनुभवी आलराउंडर ड्वेन स्मिथ, अमेरिकी खिलाड़ी नास्थुश केनजिगे, उभरते सितारे साईतेजा मुक्कामल्ला और नील ब्रूम को रिटेन किया है। इससे वे अपने अनुभव और कौशल का लाभ उठाते हुए एक और मजबूत अभियान की उम्मीद कर रहे हैं।

कैरोलिना ईगल्स ने गजनंद सिंह, केसरिक विलियम्स और शयान जहांगीर सहित छह प्रमुख खिलाड़ियों को रिटेन किया है। उनका यह निर्णय एक संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। इसमें बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है। इससे इस सत्र में एक शक्तिशाली प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है।

कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स ने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इनमें उन्मुक्त चंद, चैतन्य बिश्नोई और जुनैद सिद्दीकी शामिल हैं। ये खिलाड़ी अपने निरंतर प्रदर्शन और मैदान पर नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं।

यूएसपीएल के संस्थापक जयदीप सिंह ने कहा, 'हम इस सत्र में टीमों की ओर से रिटेन किए गए खिलाड़ियों के लेकर बेहद उत्साहित हैं। प्रमुख खिलाड़ियों को रिटेन करने का निर्णय इस बात को दर्शाता है कि फ्रेंचाइजी मजबूत और प्रतिस्पर्धी स्क्वाड बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस ठोस आधार के साथ तीसरा सत्र रोमांचक होने वाला है, जहां हमारे प्रशंसक मैदान पर और अपने मोबाइल और टीवी सेट पर हमारे साझेदार प्रसारकों और स्ट्रीमर्स के साथ उच्च गुणवत्ता का क्रिकेट देखेंगे।'

रिटेन किए गए खिलाड़ियों के साथ, प्रत्येक फ्रेंचाइजी आने वाली नीलामी में अपनी टीम को और मजबूत करने की उम्मीद कर रही है। इसमें विश्वभर के बड़े नाम भी शामिल होंगे और लीग में कई नई प्रतिभाओं को अवसर मिलेगा। प्रशंसक यूएसपीएल के तीसरे सत्र में फ्लोरिडा, मियामी के शानदार मैदानों पर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का शानदार सीजन देखने की उम्मीद कर सकते हैं।

सत्यमेव जयते

Government of Assam

জনতাৰ চৰকাৰ | my GOV मेरी सरकार

The Assam Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2024

Exams with Integrity, Recruits with Excellence

"Today, Assam stands out as a state where every government employee can proudly declare that he is a product of meritocracy. He/she did not receive any undue favours or assistance to get government job. His/her education, knowledge and talent alone made him capable to secure his position"

Dr Himanta Biswa Sarma
Chief Minister, Assam

Malpractice in Public Examinations can now lead to Severe Penalties

Government of Assam's comprehensive law to prevent malpractices and ensure clean and fair recruitment in public examinations

The Act aims to

- Ensure transparency in public examinations for recruitment under the State Government, autonomous bodies, or authorities, boards, or corporations
- Prohibit the use of unfair means, such as leaking, possessing, selling, solving or opening question papers before and assisting during public examinations
- Promise fairness in conducting public examination systems
- Prevent the spread of confidential information related to question papers

Violations

- Unauthorized access to question papers/OMR sheets
- Giving confidential information related to question papers
- Divulging or causing to be divulged any information pertaining to the public examinations except where permitted by duty
- Access to examination premises by unauthorized person
- Use of any place other than the examination center for holding public examinations
- Indulging in unfair means/organised crime in conspiracy with the public examinations

Penalties: Cognizable, Non-bailable and Non-compoundable

Examinee

Examinees found indulging in unfair means: **imprisonment up to 3 years** and a fine of at least **₹1 lakh** (defaulting on payment may lead to 9 months imprisonment)- Section 10(1)

Conspiracy and unfair means: imprisonment up to **10 years** and a **fine up to ₹10 crore**- Section 10(2)

Examinees found engaging in unfair means will be **debarred from appearing future public examinations for a period of 2 years** - Section 11

Person Entitled to Conduct Exams

Conspiracy and unfair means: **imprisonment up to 10 years** and a **fine up to ₹10 crore** - Section 10(2)

Those connected to organized crime in conspiracy with examination authorities will face **recovery of wrongful gains through attachment and sale of assets/property**- Section 12

Management

Management found guilty will be liable for all **examination-related costs and expenditures**, determined by a special court, and will be **banned forever**- Section 13

It is for information of all concerned including all candidates appearing in the Assam Direct Recruitment Examination 2024

Using unfair means or violating exam rules can lead to imprisonment (up to 10 years) and hefty fines (up to ₹10 crore) under the Assam Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2024

Be cautious and avoid any violation to prevent severe penalties

-- Janasanyog /D/5536/ 24/12-Sep-24

Published by **Directorate of Information and Public Relations, Assam** Connect with us @diprassam | dipr.assam.gov.in